निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक
सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 ॥ अंक- 236 ॥ पृष्ठ-8 ॥ शुल्क- 2 रुपए ॥ भोपाल ॥ सोमवार 01 जून ॥ 2026

सच-संक्षेप

आंध्र प्रदेश में बच्ची को बचाते समय 5 लोगों की डूबने से मौत

कर्नूल। आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले से एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। यहां के मंत्रालयम में तुंगभद्रा नदी के किनारे एक नाबालिग लड़की अपने पैर धो रही थी, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नदी के तेज बहाव में बहने लगी। बच्ची को डूबता देख आसपास के लोग तुरंत नदी में कूद पड़े।

महानदी जल विवाद पर ओडिशा में सियासी हलचल तेज

भुवनेश्वर। महानदी जल-बंटवारे को लेकर ओडिशा में राजनीतिक माहौल एक बार फिर गरमा गया है। बीजद प्रमुख नवीन पटनायक ने स्पष्ट किया है कि उनकी पार्टी छत्तीसगढ़ के साथ चल रहे इस विवाद में ओडिशा के हितों से कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने पर्यावरणविद् राजेंद्र सिंह के साथ मुलाकात के बाद इस लड़ाई को और तेज करने का संकल्प जताया।

साइबर सुरक्षा ब्यूरो का इंस्पेक्टर रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर सुरक्षा ब्यूरो के इंस्पेक्टर बाथुला महेंद्र को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी इंस्पेक्टर ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी के परिवार और दोस्तों को केस से बाहर रखने के एवज में नौ लाख रुपये की भारी-भरकम रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, आरोपी इंस्पेक्टर पहले ही पांच लाख रुपये ले चुका था और बाकी के चार लाख रुपये के लिए लगातार धमकी दे रहा था।

मणिपुर हिंसा की जांच टीम पहुंची जमीनी हकीकत जानने

इंफाल। मणिपुर में मैतई-कुकी जातीय संघर्ष की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग इन दिनों राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर है। जस्टिस बी.एस. चौहान के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम ने बिष्णुपुर, चूराचाँदपुर, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों के राहत शिविरों का दौरा किया। टीम ने यहां रह रहे विस्थापित परिवारों से सीधे बात कर उनकी आपत्तियां और दर्द को समझा। यह आयोग हिंसा के कारणों, प्रशासनिक कमियों और सुरक्षा व्यवस्था के स्तर की विस्तृत जांच कर रहा है। इसी बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाते हुए इस जांच आयोग का कार्यकाल बढ़ा दिया है।

1000वें वनडे में पाकिस्तान की जीत, ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में 21 वर्षीय स्पिनर अराफात मिन्हास ने अपने वनडे डेब्यू को यादगार बनाते हुए पांच विकेट झटके और पाकिस्तान की जीत के नायक बने। यह मुकाबला पाकिस्तान के वनडे इतिहास का 1000वां मैच भी था। इसके साथ ही पाकिस्तान भारत (1075) और ऑस्ट्रेलिया (1020) के बाद 1000 वनडे खेलने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया।बाएं हाथ के स्पिनर अराफात मिन्हास ने 32 रन देकर पांच विकेट लिए और वनडे डेब्यू में पांच विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले गेंदबाज बन गए। स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मिन्हास को अबरार अहमद (2/44) और सलमान अली आगा (1/21) का भी अच्छा साथ मिला।

वीआईपी दर्शन पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल

चेन्नई। भारत में लगभग हर मंदिर में वीआईपी दर्शन की लाइन अलग होती है। कुछ पैसे देने के बाद आप लंबी लाइनों से बचकर सीधे भगवान के दर्शन के लिए पहुंच सकते हैं। हालांकि, कई बार इस पर सवाल भी उठते रहे हैं। ऐसा ही एक मामला, मद्रास हाई कोर्ट भी पहुंचा। मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट में मंदिरों में पैसे के आधार पर दी जाने वाली विशेष सुविधा पर चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा कि भगवान के सामने मंत्री या आम आदमी में कोई भेद नहीं है। उनके सामने सभी बराबर हैं। ऐसे में वीआईपी दर्शन का कोई औचित्य नहीं है। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस लक्ष्मीनारायणन की बेंच ने मंदिरों में वीआईपी दर्शन के मामले की सुनवाई के दौरान तीखे सवाल उठाए। मंदिरों में वीआईपी दर्शन की प्रथा पर सवाल उठाते हुए हाई कोर्ट ने पूछा कि क्या भगवान के सामने मंत्री और एक आम जन में फर्क है ?कोर्ट ने कहा कि कोई भी प्रक्रिया है, इससे आम जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि मंत्रियों और विधायकों को यह नहीं सोचना चाहिए कि मंदिर में भगवान उनका इंतजार कर रहे हैं, और वह किसी भी समय मंदिर जा सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। आखिर हमें वीआईपी दर्शन की क्या आवश्यकता है ?

राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के पांच विधायकों ने की विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव से पहले छिंदवाड़ा की राजनीति में हलचल बढ़ गई है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से जिले के पांच कांग्रेस विधायकों की सामूहिक मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। हालांकि विधायक इसे विकास कार्यों से जुड़ी सामान्य मुलाकात बता रहे हैं। बता दें, इस बीत चौरई विधायक सुजीत चौधरी, सौसर विधायक विजय चौरे, परासिया विधायक सोहन वाल्मीक, पांढुर्ना विधायक नीलेश उइके मुलाकात में शामिल रहे। गौरतलब है कि कांग्रेस विधायक इसे अपने विधानसभा क्षेत्रों के विकास और वित्तीय संसाधनों की मांग से जुड़ा सामान्य शिष्टाचार भेंट बता रहे हों, लेकिन राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले हुई इस मुलाकात को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है।

क्या कांग्रेस के लिए चिंता पैदा कर रही ये मुलाकात?

प्रदेश में जून माह में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए मतदान होना है। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों के अनुसार, दो सीटों पर भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, जबकि एक सीट कांग्रेस के खाते में जाने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे समय में विपक्षी विधायकों का विधानसभा अध्यक्ष से एक साथ मिलना स्वाभाविक रूप से चर्चा का विषय बन गया है। सूत्रों कि माने तो यह मुलाकात कांग्रेस के लिए चिंता पैदा करने वाली है।

जनता के विकास का मुद्दा या राजनीतिक संदेश ?

मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में सबसे अधिक चर्चा इसी बात को लेकर है कि क्या यह केवल विकास निधि की मांग थी या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश भी छिपा हुआ है। विपक्ष का कहना है कि जनता के विकास से जुड़े मुद्दे उठाना जनप्रतिनिधियों का दायित्व है। वहीं भाजपा खेमे के कुछ नेताओं का मानना है कि राज्यसभा चुनाव के समय होने वाली हर राजनीतिक गतिविधि का अपना महत्व होता है।हालांकि कांग्रेस विधायकों ने साफ किया कि उनकी प्राथमिकता अपने क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विकास कार्यों के लिए संसाधन उपलब्ध कराना है। उनका कहना है कि मुलाकात पूरी तरह विकास केंद्रित थी और इसे अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए।

सर्किट हाउस में दिखी सत्ता और प्रशासन की मौजूदगी

विधानसभा अध्यक्ष के दौरे के दौरान सर्किट हाउस में राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां पूरे दिन जारी रहीं। भाजपा संगठन से जुड़े कई पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि वहां मौजूद रहे। इसके अलावा प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर अपर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान जिले के विकास कार्यों, प्रशासनिक योजनाओं और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। हालांकि सबसे अधिक ध्यान कांग्रेस विधायकों और विधानसभा अध्यक्ष की मुलाकात पर ही केंद्रित रहा।

पेंच रिसॉर्ट की बैठक के बाद फिर एक साथ दिखे कांग्रेस विधायक

पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस विधायकों की गतिविधियां लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में जिले के कांग्रेस विधायक पेंच क्षेत्र के एक रिसॉर्ट में भी एकत्रित हुए थे। उस बैठक को लेकर भी राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं चली थीं। अब विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात ने उन चर्चाओं को और बल दे दिया है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा चुनाव के दौरान प्रत्येक विधायक का वोट महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में किसी भी सामूहिक बैठक या राजनीतिक मुलाकात को केवल औपचारिक कार्यक्रम मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से चुनावी रणनीति से जुड़े संकेत सार्वजनिक रूप से नहीं दिए गए हैं।

पीएम मोदी मन की बात कार्यक्रम में बोले- देश के एथलीट बना रहे रिकॉर्ड

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में एथलीट के बारे में बात की। पीएम ने कहा- देश के एथलीट रिकॉर्ड बना रहे हैं। 100 मी रेस में नेशनल रिकॉर्ड टूटा है। गुरिंदरवीर सिंह ने बेहतर प्रदर्शन किया है। मन की बात के 133वें एपिसोड में पीएम मोदी ने जनगणना का जिक्र किया था। पीएम ने कहा- जनगणना का अभियान दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही झारखंड के रांची में नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पटीशन हुआ।

मोहन सहित भाजपा नेता 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल हुए

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आज सुबह प्रदेशभर में सामूहिक रूप से श्रवण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने विभिन्न बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं, किसानों और स्थानीय नागरिकों के साथ कार्यक्रम को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ क्रमांक 258, जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इसी क्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल विधानसभा के खेड़ी सावलीगढ़ मंडल के बूथ क्रमांक 223 में ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ स्थित ओमकार पवार के कृषि फार्म पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। वहीं भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने मांधाता विधानसभा के ग्राम भोसली स्थित बूथ क्रमांक 51 में किसानों एवं कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

मुकेश अंबानी को 46 करोड़ रुपए की चपत

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

शेयर बाजार में पिछले हफ्ते ओवरऑल गिरावट रही। इस बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स कुल 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत और एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे आ गया। इस गिरावट का असर देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों पर भी देखने को मिला। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सामूहिक रूप से कुल 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ।देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, एसबीआई, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया। रिलायंस का मार्केट कैप 46,078.30 करोड़ रुपये घटकर 17,87,039.40 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 33,333.06 करोड़ रुपये घटकर 11,46,641.84 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

छात्र की हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 11वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र की हत्या के मुख्य आरोपी की रविवार तड़के पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई।

सारी भविष्यवाणियां फेल 2 या 4 को आएगा मानसून

तिरुवनंतपुरम ॥ एजेंसी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी थी कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 26 मई को केरल में आ जाएगा, लेकिन मॉनसून देर से आ रहा है। केरल में कहीं-कहीं बारिश हो रही है। आने वाले दिनों में बारिश की संभावना को देखते हुए कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। पड़ोसी राज्य कर्नाटक में प्री मॉनसून आ चुका है, जिससे आंधी-तूफान की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इसके साथ ही इस बात को लेकर अभी भी उत्सुकता बनी हुई है कि केरल में मॉनसून कब आएगा ? ताजा संकेतों के अनुसार, मॉनसून 2 या 4 जून को केरल में आ सकता है। अधिकारी चेतावनी दे रहे हैं कि इस बार बारिश कम होगी। दरअसल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को 1 जून से शुरू होना था, लेकिन पिछले कुछ सालों में मॉनसून आमतौर पर अपेक्षित तारीख से दो दिन पहले या बाद में आया है। मौसम विभाग ने आधिकारिक तौर पर भविष्यवाणी की थी कि मॉनसून 26 मई को केरल में आ जाएगा। हालांकि यह पूर्वानुमान गलत साबित हुआ और मॉनसून केरल में देर से पहुंचने वाला है। केंद्रीय मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए अलग-अलग जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

केरल और कर्नाटक के बाद दूसरे राज्यों में संगठनात्मक बदलाव की तैयारी कर रही कांग्रेस

यूपी, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात और पंजाब समेत कई राज्यों में होंगे बदलाव

नई दिल्ली। केरल और कर्नाटक में पार्टी के मुद्दों को सुलझाने के बाद, कांग्रेस हाई कमांड ने 2027 और 2028 के विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए एआईसीसी और विभिन्न राज्य टीमों में बदलाव करने का लक्ष्य रखा है। 2027 में पंजाब, गोवा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होंगे, जबकि 2028 में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में राज्य चुनाव होंगे।एआईसीसी पदाधिकारी बीएम संदीप ने बताया, 2027 और 2028 के राज्य चुनावों के बाद, पार्टी को 2029 के राष्ट्रीय चुनावों में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। नेतृत्व देश भर में संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है और यह प्रक्रिया जारी रहेगी। नेतृत्व इस उद्देश्य के लिए आवश्यक कोई भी बदलाव करेगा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच केंद्रीय और राज्य स्तर पर संगठन में प्रस्तावित बदलावों पर चर्चा हुई है। परिवर्तन की प्रक्रिया गोवा से शुरू हो चुकी है, जहां 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों के लिए एक नई राज्य टीम का गठन किया गया है। इन चुनावों में कांग्रेस को सत्तारूढ़ भाजपा को हराने की उम्मीद है। पार्टी ने 29 मई को एआईसीसी तमिलनाडु के प्रभारी गिरीश चोडंकर को गोवा इकाई का नया प्रमुख नियुक्त किया और अब उच्च कमान को दक्षिणी राज्य के लिए एक नए एआईसीसी प्रमुख का नाम तय करना होगा। उच्च कमान ने गोवा टीम को पुनर्गठित करने के लिए तीन कार्यकारी अध्यक्षों - एमके शेख, अल्टोन डी कोस्टा और कार्लोस अल्वारेस फेरेरा, कोषाध्यक्ष दत्ता डी नाइक, अभियान समिति के प्रमुख यूरी अलेमाओ, घोषणापत्र समिति के प्रमुख कैप्टन विरियाटो फर्नांडेस और समन्वय समिति के प्रमुख फ्रांसिस्को सार्डिन्हा को भी नामित किया है।तमिलनाडु का प्रभार मिलने से पहले चोडंकर इसी पद पर थे। चोडंकर ने ईटीवी भारत को बताया,हमारा लक्ष्य स्पष्ट है। हम राज्य सरकार की नाकामियों को उजागर करेंगे, गोवा की पहचान और हितों की रक्षा करेंगे और एक विश्वसनीय, जन-केंद्रित विकल्प पेश करेंगे। हम पार्टी को मजबूत करेंगे और 2027 में कांग्रेस सरकार सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करेंगे। गोवा से पहले, कांग्रेस शासित कर्नाटक में भी उच्च कमान ने नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप दे दिया है, जहां उपमुख्यमंत्री डीके शिव कुमार अगले मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। चूंकि शिव कुमार राज्य इकाई के प्रमुख भी थे, इसलिए पार्टी को जल्द ही वहां एक उपयुक्त उत्तराधिकारी की घोषणा करनी होगी।पंजाब में, कांग्रेस सत्तारूढ़ आप को कड़ी टक्कर देने के लिए अमरिंदर राजा वारिंग के नेतृत्व वाली राज्य टीम में बदलाव कर सकती है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 29 मई को पंजाब के कुछ वरिष्ठ नेताओं और एआईसीसी प्रभारी भूपेश बघेल के साथ तीन घंटे तक जमीनी स्थिति की समीक्षा की। यह बैठक ऐसे दिन हुई जब पार्टी शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। इससे पहले, ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों में भी स्थिति ऐसी ही थी।पंजाब की एआईसीसी सचिव हिना कावरे ने बताया,मुझे नहीं लगता कि राज्य टीम में कोई बदलाव प्रस्तावित है।

गहरी खाई में गिरी कार 8 लोगों की मौत

चंबा ॥ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। तीसा क्षेत्र से साच पास की ओर जा रही एक इनोवा गाड़ी कालाबन के पास गहरी खाई में गिर गई। हादसे में गाड़ी में सवार 8 लोगों की मौत हो गई है।दुर्घटना की जानकारी मिलते ही खुद मौक के लिए निकले एसपी विजय कुमार सकलानी ने बताया कि स्थानीय लोगों से मिली सूचना के मुताबिक गाड़ी में सवार लोग साच पास घूमने के लिए निकले थे। जब वाहन कालाबन क्षेत्र के पास पहुंचा तो चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और गाड़ी अनियंत्रित होकर 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी।हादसे का शिकार हुए लोग हिमाचल घूमने आए थे। उन्होंने डलहौजी में एक इनोवा टैक्सी बुक की थी। डलहौजी में ही उनकी मुलाकात एक और टूरिस्ट फैमिली से हुई जिसके बाद दोनों परिवारों ने मिलकर बर्फीले पहाड़ों का दीदार करने के लिए गाड़ी शेयर की और साच पास के लिए निकल पड़े। हादसे के बाद लंबे समय तक किसी को घटना की जानकारी नहीं मिल सकी। बता दें कि, ये इलाका हिमाचल प्रदेश के सबसे दुर्गम इलाकों में से एक माना जाता है। यहां पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं है। इस क्षेत्र में सही से नेटवर्क नहीं होने के कारण संपर्क करने में भी परेशानी पेश आ रही है। साच पास को हिमाचल प्रदेश के सबसे कठिन और खतरनाक रास्तों में से एक माना जाता है। बैरागढ़ पुलिस चेक पोस्ट पार करने के बाद यह हादसा हुआ। पुलिस और प्रशासन के मुताबिक हादसे की मुख्य वजहें ये हो सकती हैं। पहला रास्ते में बर्फ और पाला जमने की वजह से कार फिसल गई होगी।

गाड़ी वापस नहीं लौटने पर बढ़ी चिंता

एसपी विजय कुमार सकलानी के अनुसार, शाम तक जब अन्य वाहन वापस लौट आए और संबंधित गाड़ी की पुलिस चौकी में वापसी एंट्री नहीं हुई तो लोगों की चिंता बढ़ गई। इसके बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन ने वाहन की तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान कालाबन क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी का पता चला। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य की तैयारी शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि खाई काफी गहरी होने के कारण रेस्क्यू अभियान चुनौतीपूर्ण हो सकता है। प्रशासन की ओर से मृतकों और हादसे से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है।

संकेत ॥ सैटेलाइट और एआई के दौर में रतलाम में ग्रामीणों को पेड़ देते हैं सटीक अनुमान

पेड़ों से मिल जाती है ग्रामीणों को मानसून की सूचना

सच संवाददाता ॥ रतलाम

सैटेलाइट और एआई के जमाने में भी ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को प्रकृति से मिलने वाले मौसम के संकेतों पर ही भरोसा है। खासकर मानसून कैसा रहेगा और बारिश अच्छी होगी या नहीं जैसे प्रश्नों के जवाब किसानों को गांव में ही मौजूद कुछ खास पेड़ दे देते हैं। आम, नीम, इमली, बबूल और गुंदी के फल, फूल और पत्ते आगामी मौसम का पूरा हाल बता देते हैं।जी हां कोई मोबाइल एप या मौसम विभाग का पूर्वानुमान नहीं, बल्कि इन पेड़ों पर दिखाई देने वाले परिवर्तन और संकट से ग्रामीण लोग मानसून के आने की तारीख तय कर लेते हैं। यही नहीं इस वर्ष अच्छी बारिश होगी या नहीं, बुवाई कब कर सकते हैं, जैसे सटीक अनुमान भी लोग लगा लेते हैं।

बबूल के फूल बताते हैं बारिश अच्छी होगी या नहीं

किशन लाल पाटीदार ने बताया कि नीम और गुंदी के फल पीले होकर पकने के बाद नीचे गिरने लगे, तो यह मानसून आने का संकेत है। वही इस साल कितनी बारिश होगी, अच्छी बारिश होगी या नहीं, इसका पता लगाने के लिए इमली और बबूल पर आने वाले फूल से अंदाजा लगाया जाता है। किशन पाटीदार ने बताया कि यदि इमली और बबूल के पेड़ पर घने फूल आते हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि इस वर्ष वर्षा अच्छी होगी।

पेड़ों पर लगे फल बताते हैं मानसून की तिथि

नेगड़दा गांव में नीम के पेड़ के नीचे बैठकर कृषि की चर्चा कर रहे स्थानीय ग्रामीण महेश शर्मा ने बताया कि मौसम का क्या हाल होगा, इसका सबसे सही और सटीक जवाब तो हमारी प्रकृति ही दे सकती है। प्रकृति द्वारा ऐसे कई संकेत दिए जाते हैं, जिससे आगामी मौसम कैसा रहने वाला है, इसका पता चल जाता है। पुराने दौर में किसान इन संकेतों से इतना सटीक आकलन कर लेते थे कि उसके अनुसार खेत जुताई और बुवाई की तैयारी करते थे।महेश शर्मा ने बताया कि मानसून हमारे क्षेत्र में कब आएगा, इसका अनुमान लगाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि हमारे यहां होने वाले नीम और आम के पेड़ पर लगे फल स्वतः ही डाल पर पक नीचे गिरने लगे, मतलब एक हफ्ते के भीतर मानसून अपनी दस्तक देने वाला है।

बेर के पत्ते भी देते हैं मौसम की जानकारी

किसान बालाराम धाकड़ ने बताया कि आमतौर पर फरवरी-मार्च के महीने में सभी पेड़ों पर पतझड़ आता है और उन पर पत्तियां भी लग जाती है। लेकिन बेर के पेड़ में नई पत्तियां लेट आती हैं। जब बेर के पेड़ पर पत्तियां आने लगें और वह गहरा हरा दिखाई देने लगे तब मानसून की आहट उस इलाके में होती है।मालवा क्षेत्र में किसानों को आज भी प्रकृति के इन्हीं संकेत और पेड़ पौधों में होने वाले परिवर्तन पर भरोसा है। किसानों का कहना है कि प्रकृति के संकेतों से आगामी दो-तीन महीना तक के मौसम का पूर्वानुमान आसानी से लगाया जा सकता है।

अरुणाचल में सर्वाधिक शराब का सेवन, उत्तर भारत में हिमाचल आगे

नई दिल्ली। एक स्वास्थ्य सर्वे में यह बात सामने आई है कि अरुणाचल प्रदेश में सबसे ज़्यादा शराब पी जाती है। वहां 15 साल से ज़्यादा उम्र के 50.5 प्रतिशत पुरुष शराब पीते हैं। यह आंकड़ा नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (2023-24) का है। इससे पहले 2019-21 के सर्वे में शराब सेवन का यह प्रतिशत 52.6 था। एक दिन पहले जारी इस सर्वे के मुताबिक 43.9 प्रतिशत के साथ तेलंगाना के पुरुष शराब पीने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। फिर आता है सिक्किम का नंबर। तंबाकू के इस्तेमाल में मिजोरम टॉप पर है। यहां क्रमश: 73.6 प्रतिशत पुरुष और 61 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू का इस्तेमाल करती हैं। हिमाचल प्रदेश में, 2023-24 में 30.2 प्रतिशत पुरुषों ने शराब पीने की बात कही। यह आंकड़ा उत्तरी भारत में सबसे ज़्यादा है। हालांकि, यह पिछले सर्वे रिपोर्ट (31.9 प्रतिशत) से कम हो गया है। उत्तराखंड में, 27.2 प्रतिशत पुरुषों ने शराब पीने की बात कही, जो 2019-21 में 25.5 प्रतिशत थी। पंजाब और हरियाणा में, क्रमश: 22.9 प्रतिशत और 17.5 प्रतिशत पुरुषों ने शराब पीने की बात स्वीकारी। चंडीगढ़ में, 21.6 प्रतिशत पुरुषों ने शराब पीने की बात कही, जो पिछली बार बताए गए 18.6 प्रतिशत से ज़्यादा है।

कौशल प्रशिक्षण से अंतर्राष्ट्रीय रोजगार तक पहुंच रहे मध्यप्रदेश के युवा

मोहन के विजन को साकार कर रहा ग्लोबल स्किल पार्क

सच संवाददता || भोपाल

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क कौशल विकास की उस नई कार्य संस्कृति का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जहां प्रशिक्षण केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को वैश्विक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकसित हो रहा कौशल तंत्र अब युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसरों से भी जोड़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में कौशल विकास को औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार से जोड़ते हुए युवाओं के लिए नए अवसर निर्मित किए जा रहे हैं। इसी दिशा में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के मार्गदर्शन में प्रदेश में कौशल आधारित प्रशिक्षण व्यवस्थाओं को अधिक उद्योगोन्मुख और रोजगारपरक बनाया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं। इसी क्रम में संस्थान के बैच-9 के तीन विद्यार्थियों का चयन हंगरी में रोजगार के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी हंगरी पहुंचकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ कर चुके हैं। यह उपलब्धि प्रदेश में विकसित हो रहे आधुनिक कौशल प्रशिक्षण मॉडल और उद्योगोन्मुख शिक्षा व्यवस्था को रेखांकित करती है।

हंगरी में रोजगार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में एडवांस्ड मैकेनिकल टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थी लकी साहू तथा एडवांस्ड मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल सर्विसेज पाठ्यक्रम के विद्यार्थी रौशन कुमार एवं मयंक जांगिड़ शामिल हैं। सिवनी, चंपारण और दौसा जैसे क्षेत्रों से आने वाले इन विद्यार्थियों ने यह

सिद्ध किया है कि अवसर और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिलने पर युवा वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।

एसएसआरजीएसपी में विद्यार्थियों को अत्याधुनिक मशीनों, सिम्युलेशन आधारित प्रशिक्षण, व्यवहारिक अभ्यास और उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण प्रक्रिया में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ कार्यस्थल अनुशासन, व्यावसायिक व्यवहार, सुरक्षा मानकों और अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति की समझ पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यही कारण है कि संस्थान से प्रशिक्षित युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की अपेक्षाओं पर खरे उतर रहे हैं।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हंगरी में विद्यार्थियों का चयन प्रदेश के कौशल विकास मॉडल की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार युवाओं को केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य के साथ कार्य कर रही है। आधुनिक कौशल, व्यवहारिक प्रशिक्षण और उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार मानव संसाधन ही विकसित मध्यप्रदेश की आधारशिला बनेंगे।

इन विद्यार्थियों की सफलता उस व्यापक परिवर्तन का संकेत है जिसमें मध्यप्रदेश के युवा अब स्थानीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। आने वाले समय में एसएसआरजीएसपी प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय रोजगार अवसरों से जोड़ते हुए कौशल विकास के क्षेत्र में नई उपलब्धियां स्थापित करेगा। हंगरी में इन तीनों विद्यार्थियों का चयन वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित औद्योगिक समूह एसआरएफ लिमिटेड में हुआ है। स्क्रन्न विशेष रसायन, फ्लोरोकेमिकल्स, पैकेजिंग फिल्म्स और टेक्निकल टेक्सटाइल्स के क्षेत्र में कार्यरत भारत की अग्रणी विनिर्माण कंपनियों में से एक है, जिसकी उत्पादन इकाइयाँ भारत के साथ-साथ यूरोप के हंगरी सहित कई देशों में संचालित हैं। कंपनी अपनी उन्नत तकनीक, वैश्विक गुणवत्ता मानकों और नवाचार आधारित कार्य संस्कृति के लिए जानी जाती है। ऐसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कंपनी में रोजगार प्राप्त करना विद्यार्थियों के कौशल, प्रशिक्षण और पेशेवर दक्षता का प्रमाण है तथा यह दर्शाता है कि एसएसआरजीएसपी से प्रशिक्षित युवा वैश्विक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को सफलतापूर्वक स्थापित कर रहे हैं।

युवा देश की आशा और सामर्थ्य : राज्यपाल

सच संवाददता || भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि युवा हमारे देश की आशा और सामर्थ्य हैं। उनके विचार और चरित्र ही देश का भविष्य तय करेंगे। जरूरी है कि हमारे युवा जो भी कार्य करें उसमें उत्कृष्टता और संवेदना पर विशेष बल दें। उन्होंने कहा कि जीवन में संवेदना का भाव ही सबसे महत्वपूर्ण है। ममता और करुणा का मोल पैसों से कहीं ज्यादा है। इसलिए भावी जीवन में सफलता की ऊंचाईयों पर चढ़ते कभी भी उन लोगों को नहीं भूलें जिन्होंने आपका सहयोग किया है। राज्यपाल श्री पटेल शनिवार को रविन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में आयोजित सिस्टेक ग्लोरी समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल का कार्यक्रम में शॉल और स्मृति चिन्ह् भेंट कर अभिनन्दन किया गया। प्रारम्भ में राज्यपाल श्री पटेल ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जीवन में हर पहलु के दो पक्ष होते हैं। सफलता सही दिशा में सही प्रयासों में है। उन्होंने कहा कि सफलता अकेले की नहीं होती है। समाज के अनेक लोगों का प्रत्यक्ष और परोक्ष रुप से योगदान होता है। उन्होंने एक दृष्टांत के माध्यम से बताया कि जीवन में कभी भी कोई ऐसा काम नहीं करें जिससे माता-पिता को कष्ट हो। उन्होंने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। निष्ठावान प्रयास ही सबसे महत्वपूर्ण है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ग्लोरी आयोजन केवल नौकरी प्राप्त करने का उत्सव नहीं है। जीवन में नई जिम्मेदारियों और नए संकल्पों की शुरुआत का भी प्रसंग है। प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले युवाओं का दायित्व है कि भावी जीवन में अपने ज्ञान और प्रतिभा के उपयोग से गरीब और वंचित लोगों के जीवन में खुशहाली लाने के समाज के प्रयासों में योगदान दे।

एक समय सुनार नदी भी सूख जाती थी, सागर के रेहली में इस नदी को नया जीवन मिला

भीषण गर्मी में सुनार नदी लबालब, आखिर क्या है राज, किनारे के गांवों-कस्बों के लिए वरदान

सच संवाददता || सागर

इस बार की भीषण गर्मी में ताल-तलैया सूख गए हैं। कुओं में पानी तलहटी में पहुंच गया है। नदियों की धार टूट गयी है और जलसंकट गहरा गया है। लेकिन सूखे के लिए कुख्यात बुंदेलखंड की एक तस्वीर ऐसी भी सामने आ रही है, जो भीषण गर्मी में तरोताजा कर देगी। एक ओर बुंदेलखंड में जब सभी तरफ जलसंकट गहरा गया है, तब सागर के रेहली में सुनार नदी में लबालब पानी भरा हुआ है। बरसाती नदी होने के कारण पहले ये नदी गर्मी में बिल्कुल सूख जाती थी। लेकिन दूरदर्शिता और योजनाबद्ध तरीके बनायी गयी रणनीति से ये नदी गर्मी में भी लबालब भरी रहती। इस नदी के किनारे गांव और कस्बों में पानी की कोई किल्लत नहीं है।

सुनार नदी के कई नाम हैं, लेकिन ज्यादातर जगह इसे सुनार नाम से जाना जाता है। इस नदी का उद्गम स्थल सागर जिला मुख्यालय से करीब 80 किमी दूर केसली ब्लॉक के टढ़ा गांव में है। यहां से होते हुए सागर, दमोह और पन्ना जिले के कई इलाकों को पीने और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध

कराती है। इस नदी की लंबाई करीब 250 किमी है।यह नदी बुंदेलखंड के दक्षिणी हिस्से के लिए एक तरह से वरदान है। कई गांवों और कस्बों को पेयजल के साथ करीब 12 हजार वर्ग किमी कृषि भूमि की सिंचाई इस नदी से होती है। नदी के लिए कई छोटी नदियां कोपरा, ब्यारमा, बेबस, गधेरी पानी उपलब्ध कराती है। ये नदी पन्ना के पाटन कलां गांव में केन नदी से मिल जाती है।

सुनार नदी को प्राचीन और ऐतिहासिक नदी माना जाता है। इस नदी के किनारे कई ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थल हैं। नदी के किनारे कई पुरातात्विक महत्व के शैलचित्र और अभिलेख भी मिलते हैं। इसी कारण इसे प्राचीन और ऐतिहासिक नदी के तौर पर माना जाता है। रहली से गुजरने वाली इस नदी किनारे चंदेलकालीन 11 सौ साल पुराना सूर्य मंदिर स्थित है। आगे ये नदी गढ़ाकोटा पहुंचती है, जहां पर ऐतिहासिक किले के साथ कई प्राचीन मंदिर नदी किनारे स्थित हैं।दमोह जिले के नरसिंहगढ़ का किला, सुनार नदी पर जलप्रपात, पंचमनगर बांध के पास प्राचीन शैलचित्र इस नदी की प्राचीनता और ऐतिहासिकता के बारे में बताते हैं। बुंदेलखंड में ये नदी गर्मी के मौसम में हमेशा चर्चा में रहती है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से जहां बुंदेलखंड की बड़ी-बड़ी नदियों की धार टूट जाती है। यहां के तालाब पूरी तरफ सूख जाते हैं और कुओं वगैरह का पानी बिल्कुल तलहटी में पहुंच जाता है। लेकिन इस नदी में पानी ही पानी नजर आता है।

रहली नगर पालिका अध्यक्ष देवराज सोनी बताते हैं जब हम दूरदर्शिता के साथ काम करते हैं तो सफलता अवश्य मिलती है। आज रहली में पानी की कोई किल्लत नहीं है। हम लोगों ने जब 4 साल पहले पदभार ग्रहण किया था तो उस समय रहली में पानी के लिए लाइन लगी रहती थी। पानी के लिए रोज झगड़े होते थे। हमने सुनार नदी से होने वाली पेयजल व्यवस्था को सुधारने का काम किया। नगर पालिका अध्यक्ष देवराज सोनी बताते हैं सबसे पहले हमने 12 महीने पानी की व्यवस्था रहे, इसके लिए काम किया। हमने फिल्टर प्लांट से लेकर मिलन घाट तक 7 किलोमीटर पानी का संरक्षण करना शुरू किया। इसमें सबसे बड़ा योगदान पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव का रहा। हम बरसात से लेकर अगली बरसात तक के लिए पानी का स्टोरेज करते हैं, ताकि सर्दी या गर्मी दोनों मौसम में पानी की परेशानी नहीं आए। अगर पानी कम होता है तो समनापुर और सोनपुर जलाशय से सुनार नदी में पानी छुड़वा दिया जाता है और नदी लबालब भरी रहती है। देवराज सोनी बताते हैं इन व्यवस्थाओं के बाद फिल्टर प्लांट का संचालन महत्वपूर्ण होता है। पानी को इंटकवेल से संपवेल और फ्लाकुलेटर में ले जाते हैं। तकनीकी टीम तय करती है कि प्रति लीटर पर कितना एलम, ब्लीचिंग और क्लोरीन मिलना है। ये सब तकनीक के आधार पर किया जाता है। फिर पानी रहली की पांचों टंकियां में पहुंचाने का काम होता है। पहले जब पांचों टंकियां में पानी भेजा जाता है, तो उसकी गुणवत्ता हर टंकी में अलग-अलग रहती थी। हमने तमाम लीकेज पता किए और पूरी लाइनों का चेकअप कर सभी लीकेज दुरुस्त कराए।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद पानी के इंतजार में सीहोर के 7 गांव

सच संवाददता || सीहोर

राजधानी भोपाल के नजदीक सीहोर के कई गांवों को कोर्ट के आदेश के बावजूद पानी नहीं मिल पा रहा है। पिछले कई सालों से भीषण गर्मी में इंसान से लेकर मवेशी तक बूंद-बूंद पानी के लिए तड़प रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी और जल संसाधन विभाग अपनी जिद पर अड़े हैं और 7 गांवों को पीने का पानी मुहैया नहीं करा रहे हैं।सीहोर में सालों पहले जब जमोनिया तालाब का निर्माण होना था, तब इलाके के मुंगावली, जमोनिया, दीपड़ा, मुहाली, करंज खेड़ा और मगरखेड़ा सहित 7 गांवों के किसानों ने दिन-रात एक करके, भूखे-प्यासे रहकर श्रमदान किया था। ग्रामीणों का सोचना था कि जब तालाब भरेगा तो उनकी जिंदगी से जलसंकट का अंधेरा दूर हो जाएगा।ग्रामीण बताते हैं कि साल 2000 तक इन गांवों को पेयजल और निस्तार के लिए बराबर पानी छोड़ा जाता था लेकिन फिर अचानक बिना किसी ठोस वजह के पानी की सप्लाई को बंद कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि आज इन गांवों का वाटर लेवल पाताल में जा चुका है। अब यहां के हैंडपंप और बोरिंग पूरी तरह सूख चुके हैं इसके बावजूद

जमोनिया तालाब का पानी गांवों तक नहीं पहुंचने दिया जा रहा। सीहोर के मुंगावली, जमोनिया, दीपड़ा, मुहाली, करंज खेड़ा और मगरखेड़ा में पीने का पानी नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने नेताओं और अधिकारियों के चक्कर लगाना शुरू किए। एक दशक बीतने के बावजूद उन्हें पानी नहीं मिला।

मुंगावली गांव के किसान एचपी मल्होत्रा बताते हैं,पानी के लिए जल संसाधन विभाग, कलेक्टर समेत कई अधिकारियों से गुहार लगाई लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। जब तत्कालीन कलेक्टर ने मना कर दिया तो साल 2012 में जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की। 3 साल अदालत में कानूनी लड़ाई चली। हाईकोर्ट ने 2015 में सीहोर जिला प्रशासन को सख्त आदेश दिया कि 7 गांव के लिए पानी उपलब्ध कराया जाए। किसान एचपी मल्होत्रा बताते हैं,हाईकोर्ट के आदेश के बाद जिला स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक में तत्कालीन कलेक्टर सुदाम खाड़े ने बकायदा लिखित निर्देश जारी किए कि तालाब से 0.46 मिलियन घन मीटर पानी ग्रामीणों के लिए हर हाल में छोड़ा जाए लेकिन पिछले 11 सालों से इस आदेश को ठंडे बस्ते में डालकर रखा गया है।याचिकाकर्ता किसान एचपी मल्होत्रा का गंभीर आरोप है कि जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग मिलकर कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। अगर साल में सिर्फ 2 बार भी पानी स्टापडैम के लिए छोड़ दिया जाए तो पूरे इलाके का वाटर लेवल रिचार्ज हो सकता है और जलसंकट खत्म हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। अब एक बार फिर इस मुद्दे को लेकर हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर करेंगे।कोर्ट की अवमानना को लेकर जब जल संसाधन विभाग से संपर्क किया तो एसडीओ राहुल बामनिया का कहना है कि यह निर्णय पूरी तरह कलेक्टर के हाथ में रहता है, क्योंकि वही जल समिति के प्रमुख होते हैं।

बरगी क्रूज हादसा में शॉकिंग खुलासा

घायलों को बचाने पहुंची एंबुलेंस में नहीं था मेडिकल स्टाफ

सच संवाददाता || जबलपुर

बरगी बांध क्रूज हादसे का एक सनसनीखेज वीडियो सामने आया है। जिसमें दिख रहा है मरीज को बचाने के लिए पहुंची एंबुलेंस में कोई मेडिकल स्टाफ ही नहीं था। जबकि एक घायल को जब पानी से निकाला गया तो उसकी सांस चल रही थी। लेकिन एंबुलेंस के भीतर ना तो कोई सीपीआर देने के लिए स्टाफ था और ना ही ऑक्सीजन लगाने के लिए। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो जांच समिति के सामने रखा गया है।बरगी डैम क्रूज हादसे को आज पूरा एक माह हो गया है। 30 अप्रैल की शाम 5:30 बजे बरगी बांध के बैक बॉर्डर में 41 लोगों को लेकर निकला क्रूज मैंकल रिजॉर्ट से लगभग 4 किलोमीटर दूर बीच बांध पानी में डूब गया था। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी और 28 लोग बच गए थे। क्रूज हादसा क्यों हुआ, इसको लेकर काफी सवाल खड़े हुए। क्रूज पुराना था.. मौसम खराब था... क्रूज चलाने वालों की

ट्रेनिंग ठीक नहीं थी, इन सभी मुद्दों पर चर्चा चल ही रही थी कि क्रूज को डिस्मेंटल भी कर दिया गया। जब काफी विवाद हुआ तो शुरुआत में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस मामले की जांच कमिश्नर से करवाने के आदेश दिए। फिर भी विवाद नहीं थमने पर सरकार ने इस मामले की जांच रिटायर्ड हाई कोर्ट जज संजय द्विवेदी को सौंप दी। संजय द्विवेदी ने इस मामले में पर्यटन विभाग के महाप्रबंधक, रिसोर्ट मैनेजर और क्रूज चलाने वालों के बयान भी दर्ज किए हैं। आज इस मामले में एक और सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बरगी नगर के रहने वाले नीरज मिश्रा ने जस्टिस संजय द्विवेदी के सामने एक पेन ड्राइव में सबूत पेश किए हैं। उनका आरोप है कि कुछ लोगों की जान और बचाई जा सकती थी। नीरज मिश्रा ने एक वीडियो जांच समिति को दिया है, जिसमें उन्होंने बताया कि जब क्रूज डूबा और लोगों को बचाकर घाट पर लाया गया तो उनमें से कुछ लोगों की सांसे चल रही थीं। उन्हें तुरंत इलाज की जरूरत थी। मौके पर 108 एम्बुलेंस बुलाई गई थी, लेकिन एंबुलेंस में ड्राइवर के अलावा कोई नहीं था, जबकि एंबुलेंस के भीतर मेडिकल स्टाफ का होना जरूरी है।

बिजलीकर्मियों का आरोप- जज के घर की बिजली गई तो पूरे क्षेत्र की बंद करवा दी, लोग भड़के

सच संवाददाता || सतना

चित्रकूट में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब एक बजे आधी के कारण 33 केवी के दो फीडरों में तकनीकी खराबी आने से ब्लैकआउट की स्थिति हो गई। शुक्रवार दोपहर तक मुख्य आपूर्ति बहाल कर दी गई, लेकिन कुछ व्यक्तिगत कनेक्शनों में समस्या रह गई। इसमें न्यायिक अधिकारी का आवास भी था। बिजलीकर्मियों का आरोप है कि शाम करीब 7:30 बजे न्यायिक मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिया कि जबतक उनके घर की बिजली चालू नहीं होती, तब तक पूरी चित्रकूट की आपूर्ति रोक दी जाए। इसके बाद बिजलीकर्मियों ने आपूर्ति रोक दी। इससे पांच हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं की आपूर्ति ठप हो गई। बाद में घटना के बाद नाराज विद्युतकर्मियों और कुछ स्थानीय नागरिकों ने पुलिस थाने पहुंचकर न्यायिक अधिकारी के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार-शुक्रवार की रात आई तेज आंधी के कारण मझगवां से आने वाले 33 केवी के दो फीडरों में तकनीकी खराबी आ गई थी। जंगल क्षेत्र में फॉल्ट होने के कारण सुधार कार्य में समय लगा। विभाग ने शुक्रवार दोपहर तक मुख्य बिजली आपूर्ति बहाल कर दी थी और अधिकांश शिकायतों

का निराकरण कर लिया गया था। हालांकि कुछ व्यक्तिगत कनेक्शनों में समस्याएं बनी हुई थीं, जिनमें न्यायिक अधिकारी का आवास भी शामिल बताया गया। प्रित्यक्षदर्शियों और विद्युत कर्मियों के अनुसार, शाम करीब 7:30 बजे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ रजौला सब स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद ऑपरेटर से अपने आवास की बिजली बहाल न होने पर नाराजगी जताई। आरोप है कि उन्होंने निर्देश दिया कि जब तक उनके घर की बिजली ठीक नहीं होती, तब तक पूरे चित्रकूट क्षेत्र की आपूर्ति बंद रखी जाए। विद्युत कर्मियों का कहना है कि इसके बाद रजौला और प्रमोद वन सबस्टेशन से संचालित बिजली आपूर्ति रोक दी गई। आरोप यह भी है कि ऑपरेटर को कंट्रोल रूम से बाहर कर दिया गया और कुछ समय तक किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। अचानक दोबारा बिजली बंद होने से चित्रकूट के हजारों उपभोक्ता परेशान हो गए। जब लोगों को इसकी वजह की जानकारी मिली तो बड़ी संख्या में नागरिक रजौला सबस्टेशन पहुंच गए। वहां लोगों ने विरोध जताते हुए बिजली विभाग और प्रशासन से जवाब मांगा। स्थानीय लोगों का कहना था कि एक व्यक्ति की शिकायत के कारण पूरे कस्बे को अंधेरे में रखना उचित नहीं है। मामले की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता प्रवीण वर्मा मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। स्थानीय पुलिस भी सबस्टेशन पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था संभाली। इसके बाद बिजली आपूर्ति दोबारा बहाल कर दी गई। सतना ग्रामीण क्षेत्र के कार्यपालन अभियंता पंकज द्विवेदी को भी घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद उन्होंने मामले की समीक्षा शुरू की। घटना के बाद नाराज बिजलीकर्मियों और कुछ स्थानीय नागरिकों ने पुलिस थाने पहुंचकर न्यायिक अधिकारी के खिलाफ लिखित शिकायत दी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पद का प्रभाव इस्तेमाल कर सार्वजनिक सेवा को बाधित किया गया और कर्मचारियों के कार्य में हस्तक्षेप किया गया। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। बिजलीकर्मी पकंज ने आरोप लगाया कि जज साहब आए थे, जिसके बाद उन्होंने कहा कि हमारी लाइन बंद है। इसके बाद उन्होंने जबरदस्ती पूरे चित्रकूट की लाइन बंद करवा दी। उस समय यहां जेईई साहब नहीं थे, केवल मैं और एक लाइनमैन था। जो हमारे कर्मचारी ने हमें जानकारी दी है, उसके हिसाब से ये बताया गया कि मजिस्ट्रेट यहां आए थे। उन्होंने दबाव बनाकर विद्युत आपूर्ति बंद करवाई और सुनने में ये भी आया है कि मारपीट की गई है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हम लोग शिकायत करने आए थे कि बिजली नहीं आ रही है। जब हम लोग अंदर आने लगे तो दो पुलिसकर्मियों ने हमें रोककर कहा कि अंदर जज साहब बैठे हैं आप लोग अंदर नहीं जा सकते। काफी देर बाद जब भीड़ बढ़ने लगी तो जज साहब बाहर निकलकर चले गए।

मुख्यमंत्री निवास घेराव के दौरान एनएसयूई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार घायल

भोपाल। मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बन गई, जब प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का उपयोग किया और लाठीचार्ज किया। घटना में एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार गंभीर रूप से घायल हो गए। एनएसयूआई नेताओं के अनुसार, संगठन के कार्यकर्ता विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि पुलिस द्वारा वाटर कैनन चलाने के साथ-साथ बल प्रयोग किया गया, जिससे कई कार्यकर्ता चोटिल हुए। घटना में गंभीर रूप से घायल हुए एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार को तत्काल उपचार के लिए सिद्धांत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने पुलिस कार्रवाई को बर्बरतापूर्ण बताते हुए इसकी निंदा की है और घायल रवि परमार से हास्पिटल में मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

35.69 लाख से अधिक सजग नागरिकों ने दर्ज कराया ऑनलाइन फीडबैक

मप्र ने रचा इतिहास, सिटीजन फीडबैक में देश में प्रथम स्थान पर

सच संवाददता ।। भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को धरातल पर अक्षरश: चरितार्थ करने तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में पुन: एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत संचालित देशव्यापी सिटीजन फीडबैक (नागरिक प्रतिक्रिया) अभियान में, वर्ष 2011 की जनगणना के मानदंडों के आधार पर, मध्यप्रदेश समस्त राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में देश में प्रथम स्थान पर रहा है। प्रदेश के 35.69 लाख से अधिक जागरूक नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यमों से अपनी सहभागिता दर्ज कराकर न केवल स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है, अपितु यह भी सिद्ध कर दिया है कि डिजिटल इंडिया के युग में मध्यप्रदेश के नागरिक तकनीकी रूप से आगे हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों और अथक परिश्रमी सफाई मित्रों का अभिनंदन किया है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की अटूट जागरूकता और विभागीय अमले की कर्तव्यनिष्ठता के समन्वय से ही प्रदेश स्वच्छता के उच्च शिखर पर निरंतर गतिमान है। राज्य स्तर पर स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की टीम द्वारा इस वर्ष एक अनूठी 360 डिग्री रणनीति का क्रियान्वयन किया गया। इस समेकित कार्ययोजना के अंतर्गत सभी नगरीय निकायों के सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से 60 लाख से अधिक जनमानस तक पहुँच स्थापित की गई। इसके अतिरिक्त पारंपरिक और आधुनिक संचार माध्यमों जैसे कचरा संग्रहण वाहनों, समाचार पत्रों, रेडियो, दूरदर्शन के ऑडियो-वीडियो संदेशों तथा घर-घर जाकर चलाए गए सघन जन-जागरूकता अभियानों से समाज के हर वर्ग को इस पुनीत कार्य से जोड़ा गया। डिजिटल सहभागिता को सुगम और व्यापक बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तर से एक करोड़ से अधिक लक्षित एसएमएस प्रेषित किए गए। इसके साथ ही, आधुनिक युग के प्रभावशाली संचारकों-सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का भी सहयोग लिया गया, जिससे युवाओं में अभूतपूर्व उत्साह का संचार हुआ। इस व्यापक और भगीरथ प्रयास का परिणाम धरातल पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से प्रदेश की राजधानी भोपाल के नागरिकों में इस वर्ष अपूर्व उत्साह देखा गया है। जहाँ गत वर्ष भोपाल में मात्र 5.13 हजार नागरिकों ने अपना फीडबैक दिया था, वहीं इस वर्ष यह आंकड़ा 3.86 लाख को पार कर गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन की टीमें पूरी सक्रियता से धरातल पर कार्य कर रही हैं जिससे इस गति को और अधिक तीव्र किया जा सके और प्रदेश स्वच्छता के पायदान पर शीर्ष पर बना रहे।

104.2 लाख टन से ज्यादा गेहूं खरीदने वाला देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य

मध्य प्रदेश ने इस साल गेहूं सरकारी खरीद में नया रिकॉर्ड बनाया है. राज्य सरकार ने अब तक 104.2 लाख टन से ज्यादा गेहूं की खरीद की है. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि यह खरीदद्ध न्यूनतम समर्थन मूल्य पर राज्य के 13.4 लाख किसानों से की गई। यानी सरकारी गेहूं खरीदी के मामले में मध्य प्रदेश अब पंजाब के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य बन गया है। सरकार का कहना है कि इससे किसानों को उनकी फसल का बेहतर दाम मिला है और खरीद व्यवस्था भी पहले से ज्यादा मजबूत हुई है। मध्य प्रदेश में इस बार गेहूं खरीद के दौरान सबसे पहले छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता दी गई। राज्य के करीब 8 लाख 10 हजार छोटे और सीमांत किसानों ने 34 लाख टन से ज्यादा गेहूं सरकार को बेचा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश ने गेहूं खरीदी के मामले में नया इतिहास बनाया है।

राज्य ने 13.46 लाख से ज्यादा किसानों से गेहूं खरीदकर अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे खुशी की बात यह है कि पहली बार छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता देते हुए उनसे बड़ी मात्रा में गेहूं खरीदा गया।

खातों में 23,708 करोड़ रुपए जारी

मध्य प्रदेश में किसानों को गेहूं की खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत 2,585 रुपए प्रति क्विंटल दिए गए। इसके अलावा सरकार ने 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस भी दिया, जिससे किसानों को कुल 2,625 रुपए प्रति क्विंटल का भुगतान मिला। सरकार ने अब तक खरीदे गए गेहूं के बदले किसानों के खातों में 23,708 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि भेज दी है।

नवजीवन सेवा समिति बढ़ाएगी मदद का हाथ, जरूरतमंद दृष्टिबाधित बच्चों को मिलेगी 'ज्योतिएआई प्रोकिट'

सच संवाददता ।। भोपाल

दृष्टिबाधित बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्यरत नवजीवन सेवा समिति एवं माता महालक्ष्मी अन्नक्षेत्र का सेवा अभियान लगातार जारी है। संस्था द्वारा वर्ष 2025 में 40 दृष्टिबाधित बच्चों को अत्याधुनिक ज्योति एआई प्रोकिट उपलब्ध कराई गई थी, जो उनके लिए तीसरे नेत्र के रूप में बेहद उपयोगी साबित हो रही है। अब वर्ष 2026 में भी कई जरूरतमंद दृष्टिबाधित बच्चों को यह किट प्रदान करने की तैयारी की जा रही है।

संस्था के अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल ने बताया कि आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक से युक्त यह किट दृष्टिबाधित बच्चों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और दैनिक जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य ऐसे बच्चों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। संस्था के प्रवक्ता भगवानदास ढालिया ने बताया कि ज्योति एआई प्रोकिट मिलने के बाद बच्चों को अब पढ़ाई के लिए रीडर या राइटर पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। इस तकनीक की मदद से वे स्वयं किताबें सुन सकते हैं, पाठ्य सामग्री का सारांश प्राप्त कर सकते हैं तथा लगभग 40 भाषाओं में अनुवाद भी कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि इस किट में टेक्स्ट रीडिंग, वस्तु एवं रंग पहचान, मुद्रा पहचान और दृश्य वर्णन जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ 5फीसदी स्मार्टफोन भी दिया जाता है, जिसमें विशेष रूप से डिजाइन किए गए एप्लीकेशन इंस्टॉल रहते हैं, जिससे बच्चे आसानी से इसका उपयोग कर पाते हैं। संस्था ने समाज के सक्षम एवं संवेदनशील नागरिकों से अपील की है कि वे इस पुनीत सेवा कार्य में सहयोग करें, ताकि अधिक से अधिक दृष्टिबाधित बच्चों को तकनीक की सहायता से आत्मनिर्भर बनाया जा सके। संस्था के अनुसार एक ज्योति एआई प्रोकिट की लागत लगभग 32 हजार रुपये है। इस सेवा अभियान में सहयोग करने के इच्छुक दानदाता संस्था के विशेषज्ञ सदस्य शैलेष सिंह से मोबाइल नंबर 8770327986 पर संपर्क कर सकते हैं। नवजीवन सेवा समिति का मानना है कि तकनीक के माध्यम से दृष्टिबाधित बच्चों को नई रोशनी और आत्मविश्वास प्रदान कर उनके जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है।

भोपाल मंडल होकर चलने वाली स्पेशल ट्रेन अब नियमित सेवा में बदली

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं उनकी मांग पर संचालित गाड़ी संख्या 07363/ 07364 हुबली-योग नगरी ऋषिकेश-हुबली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को अब गाड़ी संख्या 17363/ 17364 हुबली-योग नगरी ऋषिकेश-हुबली साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में नियमित नंबर से चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन हुबली से 6 जुलाई 2026 और योग नगरी ऋषिकेश से 9 जुलाई 2026 से नियमित नम्बर से परिचालित होगी। गाड़ी संख्या 17363 हुबली-योग नगरी ऋषिकेश साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 6 जुलाई से प्रत्येक सोमवार को हुबली से शाम 19.45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 21.41 बजे हरदा, 22.55 बजे इटारसी, तीसरे दिन 00.35 बजे रानी कमलापति एवं 03.00 बीना आगमन कर गंतव्य स्टेशन योग की नगरी ऋषिकेश रात 23.30 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 17364 योग नगरी ऋषिकेश-हुबली एक्सप्रेस ट्रेन 9 जुलाई से प्रत्येक गुरुवार योग नगरी ऋषिकेश से सुबह 06.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 00ः48 बजे बीना, 02.40 बजे रानी कमलापति, 04.15 बजे इटारसी, 05.05 हरदा आगमन कर तीसरे दिन गंतव्य स्टेशन हुबली सुबह 06.30 बजे पहुंचेगी।

क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए विधायक सबनानी ने किया निरीक्षण

अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

सच संवाददता ।। भोपाल

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा क्षेत्र की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए लगातार मैदानी निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने नगर निगम, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एवं एमपीईबी के अधिकारियों के साथ वार्ड-47 स्थित पंचशील नगर और आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

निरीक्षण के दौरान विधायक सबनानी ने स्थानीय रहवासियों से संवाद स्थापित कर क्षेत्र में पेयजल, सड़क, बिजली, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस निरीक्षण अभियान के दौरान विधायक ने पंचशील नगर की विभिन्न बस्तियों का भ्रमण किया और विकास कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने, जल संरक्षण को अपनाने तथा स्वच्छ भोपाल अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए वे नियमित रूप से अधिकारियों के साथ मैदानी निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता से सीधे संवाद के माध्यम से समस्याओं की वास्तविक स्थिति समझने और उनके शीघ्र समाधान में मदद मिलती है। निरीक्षण के दौरान विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा, मंडल अध्यक्ष डॉ. प्रियेश उपाध्याय, पूर्व पार्षद राजेश खटीक, राजू कामले, गंगाराम कुशवाहा, रिंकू ठाकुर, दीपक सेलके, अशोक जैन, पवन जैन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मप्र ने सीईए ट्रांसमिशन योजना क्राइटेरिया का पालन किया

भोपाल। मध्यप्रदेश ने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की ट्रांसमिशन प्लानिंग क्राइटेरिया का पालन करते हुए ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। शाजापुर जिले के 220 केवी सब स्टेशन शुजालपुर में 200 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने सीईए की गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित करते हुए इस महत्वपूर्ण ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदेश की बिजली व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं विश्वसनीय बनाने की दिशा में अहम साबित होगा।

भोपाल सांची दुग्ध विक्रेताओं के मार्जिनमनी में 06 से 15 फीसदी की हुई वृद्धि

सच संवाददता ।। भोपाल

भोपाल सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित भोपाल ने क्षेत्रांर्गत सांची डिपो, पार्लर, एजेन्सी, एजेन्ट्स द्वारा सांची के विभिन्न प्रकार के दूध पैकिट्स पर विक्रेता मार्जिनमनी में 06 से 15 फीसदी की वृद्वि करते हुए उपहार दिया है। वर्ष 2023 में आखिरीबार रिटेलर मार्जिनमनी में वृद्वि की गई थी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रीतेश जोशी ने बताया कि रिटेलरों के द्वारा विक्रेता मार्जिनमनी में वृद्वि करने की मांग तीन साल से लगातार की जा रही थी, सांची रिटेलरों की मांग को पूरी करते हुए मार्जिनमनी में वृद्वि करने का निर्णय लिया गया है। जो कल 1 जून 2026 से प्रभावशील होगा।

सांची ब्राण्ड के विभिन प्रकार के दूध पैकिट्स एफसीएम, स्टैण्डर्ड, डीटीएम, चाह पर लगभग 06 फीसदी तथा टीएम दूध पर लगभग 15 फीसदी मार्जिनमनी की वृद्वि की गई है। डीटीएम दूध 180 एमएल पर रिटेलर मार्जिनमनी को यथावत रखा गया है। भोपाल सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित क्षेत्रांर्गत सांची डिपो, पार्लर, एजेन्सी, एजेन्ट्स संचालकों ने भोपाल सहकारी दुग्ध संघ का धन्यवाद करते हुए कहा कि सांची रिटेलर के विक्रेता मार्जिनमनी में तीन साल बाद वृद्वि हुई है, उसके लिए धन्यवाद सांची।

मकानों की लिस्टिंग का पहला चरण पूरा भोपाल में 15 फीसदी प्रॉपर्टी खाली

सच संवाददता ।। भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के नगर निगम क्षेत्र में जनगणना-2027 के मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) अभियान का पहला चरण पूरा कर लिया गया है। शहर के सभी 21 प्रशासनिक जोनों में किए गए इस सर्वे में कुल 7,40,923 मकानों की पहचान की गई है, जबकि कई विभागों में अनुमान आंकड़ा पांच लाख आंका जाता रहा है। आंकड़ों में दो लाख का अंतर भोपाल के तेजी से और अनियोजित शहरी विकास के साथ - साथ उन नई कॉलोनियों के सामने आने को दर्शाता है, जो पहले रिकॉर्ड में दर्ज नहीं थीं। ये पूरा सर्वे शहर के 3285 हाउस-लिस्टिंग ब्लॉकों में पूरा किया गया। जनगणना के निष्कर्षों से पता चलता है कि, राजधानी में संपत्तियों के उपयोग के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। कुल हाउसिंग स्टॉक का लगभग 14.7 प्रतिशत यानी 1,08,991 मकान गैर- आवासीय (कमर्शियल) श्रेणी में पाए गए हैं। इन संपत्तियों का उपयोग वर्तमान में दुकानों, कार्यालयों, गोदामों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के रूप में किया जा रहा है। जोन 4 और जोन 21 में इन कमर्शियल यूनिट्स का घनत्व सबसे अधिक दर्ज किया गया। आवासीय क्षेत्रों में लगातार बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियां नगर नियोजकों के लिए एक जटिल चुनौती पेश कर रही हैं। सर्वे में एक बड़ा विरोधाभास भी सामने आया है। एक तरफ जहां आवास की मांग बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ शहर में भारी संख्या में मकान खाली पड़े हैं। कुल संपत्तियों में से 1,18,159 प्रॉपर्टीज खाली पाई गईं, जो कुल इन्वेंट्री का लगभग 15.9 प्रतिशत है। जोन 19 और जोन 13 में इन खाली पड़े मकानों की संख्या सबसे अधिक दर्ज की गई। आवासीय घनत्व के मामले में सर्वे से पता चला है कि कुल मकानों में से 5,23,328 सक्रिय आवासीय संपत्तियां हैं, जिनमें 5,39,320 परिवार रह रहे हैं। यह अंतर साफ करता है कि शहर के कई हिस्सों में एक ही मकान में एक से अधिक परिवार रहने को मजबूर हैं। यह स्थिति उच्च घनत्व वाले क्षेत्रों जैसे जोन 17 में देखी गई, जहां 45,449 आवासीय संपत्तियों में 47,063 परिवार रह रहे

भागवत कथा में वाराह अवतार एवं कपिल देवहूति संवाद का हुआ भावपूर्ण वर्णन

सच संवाददता ।। भोपाल

विजय नगर, लालघाटी स्थित महामृत्युंजय मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस पर कथा व्यास साध्वी मंजरी प्रिया जी ने श्रीमद्भागवत महापुराण के तृतीय स्कंध के महत्वपूर्ण प्रसंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए भगवान वाराह अवतार तथा भगवान कपिल मुनि द्वारा माता देवहूति को दिए गए दिव्य ज्ञान का रसपूर्ण वर्णन किया। समिति के मुख्य सलाहकार इंद्रदास मेंघानी ने बताया कि विजय नगर स्थित महामृत्युंजय मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण का पुण्य लाभ प्राप्त किया। कथा के दौरान साध्वी मंजरी प्रिया द्वारा प्रस्तुत संगीतमय भजन एवं मधुर कीर्तन ने संपूर्ण परिसर को भक्तिमय वातावरण से ओत-प्रोत कर दिया। साध्वी मंजरी प्रिया ने भगवान वाराह अवतार का वर्णन करते हुए बताया कि सृष्टि के प्रारंभ में दैत्य हिरण्याक्ष ने अपने बल और अहंकार के प्रभाव से पृथ्वी को रसातल में डुबो दिया था। तब समस्त देवताओं, ऋषियों एवं मुनियों की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने दिव्य वाराह रूप धारण किया। भगवान वाराह महासागर में उतरे और अपनी विशाल दाढ़ों पर पृथ्वी माता को धारण कर उन्हें पुन: उनके स्थान पर स्थापित किया। इसके बाद भगवान ने हिरण्याक्ष के साथ घोर युद्ध कर उसका संहार किया और धर्म की पुन: स्थापना की। यह प्रसंग इस बात का प्रतीक है कि भगवान अपने भक्तों एवं सृष्टि की रक्षा के लिए किसी भी रूप में अवतार लेकर अधर्म का नाश करते हैं तथा धर्म की विजय सुनिश्चित करते हैं। कथा में आगे भगवान कपिल मुनि एवं माता देवहूति के संवाद का वर्णन करते हुए साध्वी मंजरी प्रिया ने कहा कि भगवान कपिल ने अपनी माता को सांख्य योग, आत्मज्ञान एवं भक्ति मार्ग का उपदेश दिया था। उन्होंने बताया कि मनुष्य यदि अपने मन को भगवान की भक्ति में लगाकर निष्काम भाव से कर्म करे तथा विषय-विकारों से दूर रहे, तो वह जन्म-मरण के चक्र से मुक्त होकर परमात्मा की प्राप्ति कर सकता है। सच्ची भक्ति, सत्संग एवं आत्मचिंतन ही जीवन को सफल और सार्थक बनाते हैं। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान के दिव्य नाम-संकीर्तन, जयघोष एवं भजनों पर भावविभोर होकर भक्ति रस में सराबोर दिखाई दिए। कथा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने एकाग्रचित्त होकर कथा श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की। संपूर्ण वातावरण श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास से परिपूर्ण रहा। यजमान आनंद सबधाणी एवं परिवार की ओर से कथा के उपरांत महाआरती संपन्न हुई तथा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन समिति ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से आगामी दिवसों की कथा में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

गर्मी अब सामान्य नहीं रही: अत्यधिक गर्मी का जीवनशैली पर प्रभाव और इससे निपटने के तरीके

भारत में गर्मियां हमेशा से ही गर्म होती थीं, लेकिन अब तो मानो वे गुस्से में हैं। एक ज़माना था जब गर्मी का मतलब होता था आम, क्रिकेट और बिजली कटौती। अब गर्मी ऐसी लगती है मानो प्रकृति ने मानवता के खिलाफ मानवाधिकार शिकायत दर्ज करा दी हो। भीषण गर्मी के युग में आपका स्वागत है। भीषण गर्मी का मतलब सिर्फ बहुत गर्म दिन नहीं है। यह तब होता है जब तापमान कई दिनों तक असामान्य रूप से उच्च बना रहता है, अक्सर आर्द्रता के साथ, जिससे शरीर के लिए खुद को स्वाभाविक रूप से ठंडा करना मुश्किल हो जाता है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

अपने शरीर को कार के इंजन की तरह समझें। इसमें एक कूलिंग सिस्टम होता है। आपको पसीना आता है और जब पसीना सूख जाता है, तो आपका शरीर ठंडा हो जाता है। लेकिन भीषण गर्मी के दौरान, खासकर जब आर्द्रता अधिक होती है, तो आपके शरीर का एसी काम करना बंद कर देता है और अचानक, किराने की दुकान तक पैदल जाने जैसी साधारण चीजें करने में भी आप थका हुआ महसूस करने लगते हैं। भारत में, यह अक्सर लू के रूप में सामने आता है: ऐसे समय जब तापमान उस क्षेत्र के सामान्य तापमान से काफी अधिक बढ़ जाता है। खतरनाक बात सिर्फ मौसम ऐप पर दिखने वाला तापमान ही नहीं है, बल्कि यह भी है कि गर्मी कितने समय तक बनी रहती है और रात में भी आपको कितनी कम राहत मिलती है।

अत्यधिक गर्मी के क्या कारण हैं?

इसका एक प्रमुख कारण जलवायु परिवर्तन है। ग्रीनहाउस गैसों के कारण वायुमंडल में गर्मी अवरुद्ध हो रही है, जिससे पृथ्वी गर्म हो रही है। सरल शब्दों में कहें तो, मनुष्य पृथ्वी को एक ऐसे कमरे की तरह मान रहे हैं जिसमें हवा आने-जाने की कोई व्यवस्था नहीं है और लगातार हीटर चालू रखा जाता है।

फिर आता है शहरी जीवन। शहर असल में ऊष्मा के विशाल चुंबक होते हैं। कंक्रीट की इमारतें, कांच की ऊंची इमारतें, सड़कें, वाहन और एयर कंडीशनर जो गर्म हवा को बाहर निकालते हैं, मिलकर एक ऐसी स्थिति पैदा करते हैं जिसे वैज्ञानिक शहरी ऊष्मा द्वीप प्रभाव कहते हैं। शहर ऊष्मा को रोक लेते हैं और उसे बाहर निकलने नहीं देते। यही कारण है कि कुछ शहरी इलाके आस-पास के कस्बों से भी ज्यादा गर्म महसूस होते हैं। इसमें वनों की कटाई, प्रदूषित हवा, बदलते मौसम के पैटर्न और बढ़ते वैश्विक तापमान को भी जोड़ दें।

अपनी सुरक्षा कैसे करें

अगर किसी व्यक्ति को अत्यधिक गर्मी के बावजूद

पसीना आना बंद हो जाता है, भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है, बेहोशी आ जाती है, दिल की धड़कन तेज हो जाती है, उल्टी होने लगती है, बोलने में दिक्कत होने लगती है या तेज बुखार हो जाता है, तो यह हीटस्ट्रोक का संकेत हो सकता है (जो एक चिकित्सीय आपात स्थिति है)।

पहला नियम: यह दिखावा करना बंद करो कि तुम मौसम से ज्यादा ताकतवर हो।

शरीर में पानी की कमी न होने दें, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आपको आठ लीटर पानी पीना है। दिन भर थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें। छाछ, नारियल पानी, नींबू पानी और तरबूज, खीरा, संतरा और खरबूजा जैसे अधिक पानी वाले फल भी पिएं।

दोपहर की भीषण गर्मी (आमतौर पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच) के दौरान घर से बाहर निकलने से बचें, जब तक कि यह आवश्यक न हो।

ढीले-ढाले, हवादार सूती कपड़े पहनें। यह फैशन के मामले में लापरवाही बरतने का मौसम नहीं है।

अगर आप व्यायाम करते हैं, तो सुबह जल्दी या शाम को व्यायाम करें। आपके फिटनेस लक्ष्य महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जीवित रहना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

खाने को नज़रअंदाज़ न करें। अत्यधिक गर्मी में ज़्यादा तेल और भारी भोजन करने से सुस्ती महसूस हो सकती है। हल्का भोजन और सलाद ज़्यादा फायदेमंद होते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात, परिवार के बुजुर्ग सदस्यों का हालचाल लेते रहें। कई बुजुर्गों को तब तक पता ही नहीं चलता कि वे डिहाइड्रेटेड हैं, जब तक कि स्थिति गंभीर न हो जाए।

अपने घर को ठंडा रखने के लिए कुछ सुझाव

हर किसी के घर में सेंट्रल एसी नहीं होता और न ही हर कोई बिजली का भयानक बिल भरना चाहता है। ये छोटी-छोटी चीजें मददगार साबित होती हैं:

दोपहर की तेज धूप के दौरान पर्दे बंद कर दें, खासकर उन कमरों में जहां सीधी धूप आती हो और कमरा अंधेरा हो। संभव हो तो हल्के रंग के पर्दे लगाएं।

घर को ठंडे समय के दौरान हवादार रखें: सुबह जल्दी और देर शाम को।

जब कमरों में गर्म हवा जमा न हो, तो पंखे बेहतर काम करते हैं। हवा का आवागमन जरूरी है।

अनावश्यक उपकरणों को बंद कर दें। आपका टीवी, लैपटॉप, लाइट और चार्जर कमरों में गर्मी बढ़ाते हैं।

यदि संभव हो, तो घर के अंदर या बालकनी में हरे-भरे पौधे लगाएं। थोड़ी सी छाया भी फर्क ला सकती है।

पारंपरिक नुस्खे भी आज भी कारगर हैं: सूती चादरें, ठंडी चटाई, पानी के लिए मिट्टी के बर्तन, घर के अंदर हल्के कपड़े पहनना और दिन के सबसे गर्म समय में अनावश्यक रूप से ओवन या स्टोव का उपयोग करने से बचना।

गर्मी का मौसम बदल गया है। हमारी आदतें भी बदलनी होंगी क्योंकि आज के मौसम में ठंडा रहना ही जीवन रक्षा का सवाल है।

गर्मी से राहत देने वाली योगमय जीवनशैली

गर्मी का मौसम अपने साथ तेज धूप, लू, पसीना, थकावट और कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं लेकर आता है। यदि इस मौसम में सही खान-पान, दिनचर्या और प्राकृतिक उपाय अपनाए जाएं, तो शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान रखा जा सकता है। प्राकृतिक चिकित्सा और योग- प्राणायाम गर्मी से बचाव के सबसे सरल और प्रभावी उपाय हैं। जानिये प्रकृति से जुड़ी खानपान की कुछ आदतों, चिकित्सा, योग-प्राणायाम और सावधानियों के बारे में-

बासी भोजन से बचें

गर्मी में भोजन जल्दी खराब हो जाता है, इसलिए ताजा और हल्का भोजन ही करें। बासी, तला-भुना और अत्यधिक मसालेदार भोजन पेट की गड़बड़ी और फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। हरी सब्जियां, मौसमी फल, दही, छाछ, खीरा, ककड़ी, तरबूज और खरबूजा शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं।

पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ

गर्मी में शरीर से पसीना अधिक निकलता है। इसलिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। नींबू पानी, शिकंजी, नारियल पानी, बेल का शरबत, सत्तू और छाछ शरीर में ऊर्जा बनाए रखते हैं और लू से बचाते हैं।

दोपहर की तेज धूप से बचें

दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक धूप सबसे अधिक तेज होती है। इस समय बिना आवश्यकता बाहर न निकलें। जरूरी ही हो तो सिर ढककर जाएं, सूती कपड़े पहनें और पानी साथ रखें।

मिट्टी चिकित्सा है लाभकारी

प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी का विशेष महत्व है। पेट पर मिट्टी की पट्टी लगाने से शरीर की गर्मी कम होती है तथा पाचन क्रिया सुधरती है। मिट्टी स्नान और पैरों पर मिट्टी लगाने से शरीर को ठंडक मिलती है।

घर को कूल रखने के तरीके

खिड़कियों पर गीले पर्दे या खस का पर्दा लगाएं। सुबह और शाम घर में ताजी हवा आने दें।

अधिक गर्मी वाले समय में पंखे और वेंटिलेशन का सही उपयोग करें। आसपास पौधे लगाने से वातावरण ठंडा रहता है।

गर्मी से बचाने वाले प्राणायाम

योग और प्राणायाम हमारे शरीर को भीतर से शीतलता प्रदान करते हैं। गर्मी के मौसम में कुछ प्राणायाम खास तौर से लाभकारी हैं -

चंद्रभेदी प्राणायाम : **यह शरीर और मन को ठंडक देने वाला श्रेष्ठ प्राणायाम है।**

विधिः सुखासन या पद्मासन में बैठ जाएं। दाएं नथुने को अंगूठे से बंद करें। बाएं नथुने से धीरे-धीरे श्वास लें। फिर बाएं नथुने को बंद करके दाएं से श्वास बाहर छोड़ें। यही प्रक्रिया 10-15 बार करें।

लाभः शरीर की गर्मी कम करता है। मानसिक शांति देता है। उच्च रक्तचाप और तनाव में लाभकारी है। लू और अत्यधिक प्यास से राहत देता है।

शीतली प्राणायाम : **विधिः जीभ को नली के आकार में मोड़कर मुंह से श्वास लें और नाक से धीरे-धीरे छोड़ें। लाभः शरीर को तुरंत ठंडक देता है। पित्त दोष कम करता है।**

शीतकारी प्राणायाम : **विधिः दांतों को हल्का खोलकर उनके बीच से श्वास लें और**

भारत में गोंद कतीरा गर्मियों का सुपरफूड

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, वैसे-वैसे शरीर में ऊर्जा की कमी और पानी की कमी की समस्या सामने आ रही है। ऐसे में हर कोई ऐसा प्राकृतिक उपाय तलाश रहा है, जो न केवल शरीर को ठंडक दे, बल्कि गर्मी के कारण होने वाली बीमारियों से भी बचाए। अगर आप भी इस तलाश में हैं, तो आयुर्वेद का वह अनमोल खजाना आपके काम आ सकता है, जिसे हम 'गोंद कतीरा' के नाम से जानते हैं।

गोंद कतीरा, जिसे अंग्रेजी में ट्रैगकैंथ गोंद कहा जाता है, एक प्राकृतिक राल है जो वृक्षों से प्राप्त होती है। इसकी खास बात यह है कि इसकी तासीर बेहद ठंडी होती है। आयुर्वेद में इसे गर्मी के मौसम का सबसे बेहतरीन 'बॉडी कूलर' माना गया है। आइए, जानते हैं कि इसे खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं और इसका सेवन कैसे किया जाए।

गोंद कतीराः आयुर्वेद का अनमोल खजाना

गोंद कतीरा को सिर्फ एक खाने की चीज नहीं माना जाता, बल्कि यह एक प्राकृतिक औषधि है। जब गर्मी अपने चरम पर होती है, तब शरीर में 'पित्त' और गर्मी बढ़ जाती है, जिससे कई तरह के रोग उत्पन्न होने लगते हैं। गोंद कतीरा शरीर के आंतरिक तापमान को संतुलित करता है। यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है और लू के प्रभाव को कम करता है। यह एक ऐसा सुपरफूड है जो पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है और इसका सेवन करना आसान भी है।

गर्मी में गोंद कतीरा खाने के बेमिसाल फायदे

गोंद कतीरा का नियमित सेवन करने से शरीर को कई तरह से लाभ मिलता है। यहाँ प्रमुख लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया है:

नकसीर (नाक से खून आना) से राहत

गर्मी के मौसम में तेज धूप और लू के चलते कई लोगों को नाक से खून आने की समस्या हो जाती है, जिसे नकसीर कहते हैं। यह स्थिति तब होती है जब शरीर में अत्यधिक गर्मी बढ़ जाती है। आयुर्वेद एक्सपर्ट्स के अनुसार, गोंद कतीरे की ठंडी तासीर शरीर की इस अत्यधिक गर्मी को शांत करने में बहुत प्रभावी होती है। इसके सेवन से रक्त वाहिकाओं को ठंडक मिलती है और नाक से खून आने की समस्या पर लगाम लगती है।

पाचन क्रिया को बनाए दुरुस्त

गर्मी के दिनों में हमारा पाचन तंत्र अक्सर कमजोर पड़ जाता है। गर्मी में भूख कम लगना, एसिडिटी, पेट में जलन और कब्ज जैसी समस्याएं आम बात हो गई हैं। गोंद कतीरा फाइबर से भरपूर होता है। यह पेट को साफ रखने में मदद करता

है और कब्ज की समस्या को दूर करता है। यह आपके पाचन तंत्र को मजबूत करता है और गैस व अम्लता की समस्या से छुटकारा दिलाता है, जिससे आप गर्मी में भी अपने भोजन का आनंद ले सकते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद (स्किन ग्लो)

क्या आप जानते हैं कि गोंद कतीरा आपकी त्वचा के लिए भी एक वरदान साबित हो सकता है? गर्मी की धूप और प्रदूषण चेहरे की रंगत खराब कर देते हैं। गोंद कतीरा में एंटी-एजिंग गुण पाए जाते हैं, जो चेहरे की झुर्रियों और फाइन लाइंस को कम करने में मदद करते हैं। गोंद कतीरा ड्रिंक पीने से शरीर के अंदर से डिटॉक्सीफिकेशन होता है, जिसका असर सीधा चेहरे पर दिखाई देता है। इससे चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है, दाग-धब्बे कम होते हैं और धूप से झुलसी त्वचा को भी राहत मिलती है।

तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है

गर्मियों में अधिक पसीने आने के कारण शरीर में पानी और खनिजों की कमी हो जाती है, जिससे शरीर जल्दी थक जाता है और सुस्ती बनी रहती है। गोंद कतीरा को दूध, मिश्री या रूहअफजा के साथ मिलाकर पीने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है। यह शरीर को अंदर से ठंडा रखते हुए फ्रेशनेस देता है। यह प्राकृतिक ऊर्जा बूस्टर है जो आपको थकान महसूस होने नहीं देता।

मूत्र संबंधी समस्याओं में आराम

गर्मी के मौसम में पानी कम पीने के कारण कई बार मूत्र संबंधी संक्रमण या जलन की समस्या हो जाती है। गोंद कतीरा प्राकृतिक रूप से शरीर को ठंडा करता है, जो मूत्राशय की जलन को कम करने में सहायक होता है। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और किडनी सही तरीके से काम करती है।

गोंद कतीरा का सेवन कैसे करें?

गोंद कतीरे का सेवन करना बहुत आसान है, लेकिन इसे खाने से पहले तैयार करने का एक विशेष तरीका होता है। आइए जानें इसे बनाने का सही तरीका:

भिगोने की प्रक्रिया: सबसे पहले गोंद कतीरे के 2-3 छोटे टुकड़े लें। इन्हें एक कटोरे में डालकर रातभर पानी में भिगोकर रख दें।

सुबह का नजारा: सुबह उठकर देखेंगे तो यह गोंद कतीरा फूलकर सफेद जेली या स्पंज जैसा दिखाई देगा। इसका अर्थ है कि यह खाने के लिए तैयार है।

ड्रिंक बनाना: एक गिलास ठंडे पानी लें। उसमें एक चम्मच भिगोया हुआ गोंद कतीरा मिलाएं।

स्वाद बढ़ाना: इसमें स्वाद के लिए नींबू का रस, थोड़ी सी काली मिर्च, पुदीने के पत्तों का रस और मिश्री डालकर अच्छी तरह मिला लें।

विकल्प: अगर आप चाहें तो इसे ठंडे दूध में मिलाकर या दही के साथ लस्सी बनाकर भी पी सकते हैं।

इस ड्रिंक को रोजाना सुबह खाली पेट पीना सबसे ज्यादा लाभदायक माना जाता है।

सावधानियां और चेतावनी

जबकि गोंद कतीरा गर्मी के लिए एक वरदान है, लेकिन इसका सेवन करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है:

सर्दी में न पिएं: चूंकि इसकी तासीर ठंडी होती है, इसलिए सर्दी के मौसम में इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इससे सर्दी-जुकाम और गले की खराश का खतरा बढ़ सकता है।

डॉक्टर की सलाह: अगर आप किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं या आपको किसी चीज से एलर्जी है, तो इसका सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर या आयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

संतुलित मात्रा: किसी भी चीज की अधिकता नुकसानदेह होती है। इसे एक सीमित मात्रा में ही लें।

शहरी विकास की विडंबनाएं

पर्वतीय विडंबनाओं पर शहरी ताज को संवारने की घोषणा करते हुए, शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बेंगलुरू मॉडल को अपनाने की इच्छा जाहिर की है। कोई भी मॉडल श्रेष्ठ हो सकता है, लेकिन इसकी शर्तें राजनीति से ऊपर और लाजिमी सुधारों के साथ ही पूरी हो सकती हैं। हिमाचल के शहरों में बेंगलुरू की आत्मा का आयात एक बड़ी घोषणा है, लेकिन इससे पहले कई सवालों के अर्थ खोजने होंगे। कुछ दशक पहले शिमला विकास प्राधिकरण का गठन हुआ, तो फिर इसे निरस्त क्यों किया गया। शिमला के साथ न्यू शिमला के विकास को अगर देखें, तो मालूम होगा कि हम कितने पानी में हैं। बेंगलुरू केवल शहर की कवायद नहीं, मैट्रो सिटी के नक्शे को आगे बढ़ाने का सिस्टम है। स्मार्ट सिटी तो शिमला और धर्मशाला भी बनने थे, तो इनकी असफलता या अपूर्णता के लिए सरकारें ही दोषी क्यों मानी गईं। दरअसल हिमाचल का शहरी विकास टीसीपी विभाग की क्षमता से ऊपर है, शहरों को स्मार्ट स्थिति तक ले जाना तथा कायम रखना। हमने अंग्रेजों के बसाये शहर बर्बाद किए तो इसलिए कि वहां से शहरी तहजीब को ही तिलांजलि दे दी गई। कभी शिमला अपने स्वच्छ पांवों, खुली हवा में ताकतवर फेफड़ों और पर्वतीय आचार संहिता से चलता था, लेकिन आज ग्रीन बेल्ट की तौहीन, जल निकासी के रास्तों और पहाड़ी परिवेश के उल्लंघन में चलता है। मंत्री जरा टीसीपी फाइल खोलकर यह बताएं कि पिछले तीन दशकों में शहरी कानूनों की कुर्बानियों पर शिमला कहां पहुंच गया। क्या हमने सोचा कि शिमला और आसपास फैलते शहरीकरण को 'राज्य राजधानी क्षेत्र' परियोजना के तहत विकसित करने की जरूरत है। क्या हमने प्रदेश की शहरी ग्रोथ का मूल्यांकन करते हुए शहरों का वर्गीकरण किया। मनाली का विकास कुल्लू की तरह नहीं हो सकता। इसी तरह मंडी और सुंदरनगर के विकास मॉडल में अंतर होगा। हिमाचल टेंपल सिटी आज भी विकास की खासियत चाहते हैं। पर्यटक शहर, शिक्षा के शहर, सांस्कृतिक-आर्थिक और प्रशासनिक शहरों की पहले खासियत तो तय कीजिए। आश्चर्य यह कि शहरी विकास मांग आधारित नहीं, बल्कि राजनीति से संचालित है। यही वजह है कि शहरों में न ढंग के बस स्टैंड, न पार्क, न पार्किंग स्थल और न ही खेल के मैदान विकसित हुए। शहर के जो मॉडल शिमला थे, वे भी हमने बर्बाद कर दिए। मसलन वाहन प्रतिबंधित बाजार और माल रोड अगर हर शहर में तय हो जाएं तो बदलाव आ जाएगा। इसी तरह शहरों के परिवहन को लेकर एलिवेटिड रोड, रज्जु मार्ग तथा झूला पुल परियोजनाएं अमल में आएं तो पैदल चलने के आसान रास्ते बनेंगे। बहरहाल हिमाचल में तीन नए शहरों की बात हो रही है, लेकिन ये भी पारंपरिक शहरों को शायद ही राहत दें। अगर ये आर्थिक, प्रोफेशनल, आईटी, मेडिकल सिटी या औद्योगिक साबित होते हैं, तो भी नक्शे पर गुरूर आएगा, लेकिन यहां तो बस्ती बसाने का लक्ष्य होना चाहिए। हिमाचल में दो या तीन शहरों को मिला कर कलस्टर योजनाएं बनाने की जरूरतें हैं ताकि शहरी और ग्रामीण जनता को आधारभूत सुविधाएं मिलें।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है। आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ''सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं। विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।

लेखक- ललित गर्ग

अहमदाबाद में आईपीएल खिताब के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस में होगी जबरदस्त भिड़ंत

इंतजार खत्म, आज मिलेगा चैंपियन, आईपीएल खिताब के लिए होगी जबरदस्त भिड़ंत

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला आज रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले की मेजबानी अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम करेगा। ये दोनो टीमें पहले क्वॉलिफायर में भी भिड़ चुकी हैं, जहां आरसीबी ने जीत हासिल की थी। आरसीबी ने वहां से सीधे फाइनल में जगह बनाई, तो वहीं गुजरात दूसरे क्वॉलिफायर में राजस्थान रॉयल्स को मात देने के बाद खिताबी मुकाबले में आई है। दोनों ही टीमें दमदार फॉर्म में हैं और दूसरी बार ट्रॉफी उठाने की तलाश में हैं। जीत के लिए जरूरी है कि दोनों टीमें अपने बेस्ट-11 चुने। यूं तो टीमें अपने विजयी कॉम्बीनेशन में बदलाव नहीं करती हैं, लेकिन गिल एक बदलाव कर सकते हैं। निशांत सिंधू को लगातार गुजरात ने मौका दिया है, लेकिन इस खिलाड़ी ने निराश किया है। उनकी जगह गिल तूफानी फिनिशर शाहरुख खान को मौका दे सकते हैं, जो लंबे-लंबे शॉट्स मार मैच का रुख पलटने का दम रखते हैं। राहुल तेवतिया और मोहम्मद सिराज को टीम इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। गिल और सुदर्शन पारी की शुरुआत करेंगे, तो वहीं जोस बटलर तीसरे नंबर पर होंगे।

लक्ष्मीपति क्रिकेट अकादमी में बॉयज टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

भोपाल। खजूरी कला स्थित लक्ष्मीपति क्रिकेट अकादमी में तीन दिवसीय बॉयज टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आजभव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन लक्ष्मीपति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ डॉ. संजय बंसल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं उन्हें शुभकामनाएं देकर किया।

टूर्नामेंट के पहले दिन रोमांचक मुकाबलों का दौर देखने को मिला, जिसमें युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पहले मुकाबले में फ्लाइंग ईगल्स और रॉयल 11 आमने-सामने थे। फ्लाइंग ईगल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 91 रन बनाए और शानदार प्रदर्शन के दम पर मुकाबला जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस मैच में कृष्णा मीणा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। दूसरे मुकाबले में के.वी.एम. ने अमीन 11 को 10 ओवर में मात्र 50 रन पर रोक दिया। इसके बाद के.वी.एम. ने 6 ओवर में सिर्फ एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। रोहित को 18 रन और 3 विकेट के ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। तीसरे मुकाबले में आईपीसी 11 ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पटेल नगर 11 को 9.3 ओवर में 59 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में आईपीसी 11 ने 6 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया और अगले दौर में जगह बनाई। 26 रनों की शानदार पारी खेलने वाले भविष्य को 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया। दिन के चौथे और सबसे रोमांचक मुकाबले में फ्लाइंग ईगल्स का सामना आईपीसी 11 से हुआ। आईपीसी 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 74 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में फ्लाइंग ईगल्स ने 9.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज करते हुए अगले दौर के लिए अपना स्थान पक्का किया। इस मैच में भगवान जी ने नाबाद 20 रन बनाने के साथ एक विकेट भी हासिल किया और 'मैन ऑफ द मैच' चुने गए। प्रतियोगिता के पहले दिन के मुकाबलों के बाद फ्लाइंग ईगल्स, के.वी.एम. और आईपीसी 11 की टीमें अगले दौर के लिए क्वालिफाई करने में सफल रहीं। आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा खेल भावना को बढ़ावा देना है। आगामी मुकाबलों में और भी रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।

सच बाजार

15 जून से बदलेंगे ई-वे बिल और माल परिवहन नियम

व्यापारियों की चिंता- नए नियमों से उनकी गोपनीयता होगी प्रभावित और कारोबार पर भी पड़ेगा असर

सच संवाददाता.भोपाल

जीएसटी कानून के तहत 15 जून से लागू होने जा रहे ई-वे बिल और माल परिवहन नियमों में बदलाव को लेकर व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। व्यापारियों का कहना है कि नए नियमों से उनकी गोपनीयता प्रभावित होगी और कारोबार पर भी असर पड़ सकता है। अब तक व्यापारी किसी बड़े व्यापारी से माल खरीदकर भाड़ा बचाने के लिए सीधे दूसरे व्यापारी के यहां माल भिजवा देते थे।

ई-वे बिल में केवल संबंधित व्यापारी का नाम और गंतव्य स्थान दर्ज करना होता था। लेकिन 15 जून से लागू होने वाले नए नियमों के तहत बिल टू-शिप टू ई-वे बिल में अंतिम खरीदार की पूरी जानकारी और जीएसटी नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। यदि माल प्राप्त करने वाला पंजीकृत नहीं है तो उसे अपंजीकृत व्यवसायी के रूप में दर्ज करना पड़ेगा।

व्यापारियों का कहना है कि इस प्रक्रिया से माल बेचने वाली पहली पार्टी को अंतिम खरीदार की जानकारी मिल जाएगी। इससे बड़े व्यापारी सीधे अंतिम ग्राहक से संपर्क कर सस्ता माल देने का प्रयास कर सकते हैं, जिससे बीच के व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। इसके अलावा, माल गंतव्य तक पहुंचने के बाद ई-वे बिल बंद करने का नया विकल्प भी शुरू किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य ई-वे बिल में होने वाली गड़बड़ियों और बोगस बिलिंग पर रोक लगाना है, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि इससे ईमानदार कारोबारियों पर कागजी कार्रवाई का बोझ बढ़ेगा।

टैक्स ला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट मृदुल आर्य ने कहा कि सरकार एक ओर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जीएसटी विभाग लगातार नए नियम लागू कर व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहा है। उन्होंने कहा कि बिल टू-शिप टू व्यवस्था में अंतिम व्यापारी की जानकारी सार्वजनिक होने से व्यापारिक गोपनीयता भंग होगी और छोटे व मध्यम व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। मृदुल आर्य के अनुसार ये दोनों बदलाव 15 जून 2026 से लागू होने जा रहे हैं और व्यवसायों के ई-वे बिल जनरेशन एवं कंप्लायंस सिस्टम पर सीधा प्रभाव डालेंगे। जीएसटीएन के अनुसार पहला बड़ा बदलाव बिल-टू/शिप-टू लेनदेन में किया गया है। अब ई-वे बिल बनाते समय शिप टू जीएसटीएन फील्ड भरना अनिवार्य होगा। यदि माल प्राप्त करने वाला व्यापारी जीएसटी में पंजीकृत है तो उसका जीएसटीएन दर्ज करना होगा, जबकि अपंजीकृत प्राप्तकर्ताओं के लिए यूआरपी लिखना जरूरी होगा। इस बदलाव का असर निर्माताओं, डीलरों, ई-कॉमर्स कंपनियों, ट्रांसपोर्टरों और जीआरपी आधारित ई-वे बिल सिस्टम का उपयोग करने वाले कारोबारियों पर पड़ेगा। विशेषज्ञों के अनुसार पुराने ईआरपी टेम्पलेट्स या बिना अपडेट वाले सॉफ्टवेयर से ई-वे बिल जनरेट करने में दिक्कत आ सकती है।

जीएसटीएन ने दूसरा बड़ा बदलाव ई-वे बिल क्लोजर सुविधा के रूप में पेश किया है। इसके तहत अब आपूर्तिकर्ता, माल प्राप्तकर्ता, ट्रांसपोर्टर या अधिकृत फील्ड कर्मचारी डिलीवरी पूरी होने के बाद ई-वे बिल को स्वैच्छिक रूप से बंद कर सकेंगे। इसके लिए पोर्टल लॉगिन की आवश्यकता नहीं होगी और ओटीपी आधारित मोबाइल सत्यापन के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। हालांकि, ई-वे बिल क्लोजर डिलीवरी की तारीख या उसके अगले दिन तक करना होगा। जीएसटीएन ने सैंडबॉक्स मोड में अपडेटेड एपीआई स्पेसिफिकेशन भी जारी कर दिए हैं। ईआरपी वेंडर्स, जीएसपी , एएसपी और सिस्टम इंटीग्रेटर्स को 15 जून 2026 से पहले अपने सॉफ्टवेयर और वर्कफ्लो में आवश्यक बदलाव करने होंगे, ताकि ई-वे बिल जनरेशन और कंप्लायंस प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान न आए।

सीमेंट विक्रेता वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक संपन्न संगठन विस्तार और सदस्य हितों पर बनी रणनीति

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

सीमेंट विक्रेता वेलफेयर एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, सदस्य हितों की सुरक्षा और आपसी सहयोग को मजबूत बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैठक के दौरान संस्था के सभी सदस्यों को उनके प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट) प्रदान किए गए। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में संगठन ने जो विशाल स्वरूप प्राप्त किया है, उसे भविष्य में और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सभी सदस्यों ने कम से कम एक नए सदस्य को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि अब संस्था द्वारा सभी सदस्यों के जन्मदिवस सामूहिक रूप से मनाए जाएंगे। साथ ही सदस्यों को आर्थिक, जीएसटी एवं व्यवसायिक मामलों में आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। सदस्यों के बीच आपसी विश्वास, समन्वय और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व को भी प्राथमिकता देने पर सहमति बनी। संगठन के संरक्षक सदस्य के रूप में गोविंद पंजवानी, सुनील गुप्ता, शैलेंद्र गुप्ता एवं नारायण खेमानी के नामों की घोषणा की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने एकमत होकर संगठन को मजबूत बनाने तथा एक-दूसरे के हितों की रक्षा के लिए पूर्ण सहयोग का संकल्प लिया। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक गुप्ता, सचिव सतीश सिंह एवं कोषाध्यक्ष शांतनु महकार ने संगठन की आगामी योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी दी। प्रमुख सदस्यों में जितेश वाससानी, महेश नागर, प्रवीण गायकवाड, सचिन शर्मा, रामकृष्ण शिवहरे, अमित गुप्ता एवं राहुल दांगी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में रामकिशन नाहर सहित सभी सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और संगठन की एकजुटता को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक का समापन संगठन के उज्ज्वल भविष्य और सदस्य हितों के संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ।

महंगे दूध का असर, अब घी-पनीर भी पहुंचे आम आदमी की पहुंच से दूर

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

दूध के दाम बढ़ने का असर अब अन्य दुग्ध उत्पादों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। बीते दिनों दूध की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के बाद घी, पनीर, दही, मक्खन और मिठाइयों के दामों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इससे आम उपभोक्ताओं की रसोई का बजट बिगड़ गया है।

डेयरी कारोबार से जुड़े सौरभ खुल्लर का कहना है कि पशु चारे, बिजली, परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ने के कारण सांची, अमूल्य सहित अन्य स्थानीय डेयरियों ने दुग्ध उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं। दुकानदारों के अनुसार दूध की खरीदी लागत बढ़ने से दुग्ध उत्पाद तैयार करने में खर्च बढ़ गया है। यही कारण है कि बाजार में घी 40 से 80 रुपए प्रति किलो तक महंगा हो गया है, जबकि पनीर के दामों में भी 20 से 30 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। दही और मक्खन के पैकेट भी पहले की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। गृहिणियों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई ने रसोई चलाना मुश्किल कर दिया है। पहले जहां लोग नियमित रूप से दूध और उससे बने उत्पाद खरीदते थे, अब उन्हें जरूरत के हिसाब से ही खरीदारी करनी पड़ रही है। व्यवसायी राजेश गुप्ता का कहना है कि पशु आहार, बिजली, परिवहन और रखरखाव खर्च बढ़ने से डेयरी संचालकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। यदि आने वाले दिनों में दूध के दाम और बढ़ते हैं तो दुग्ध उत्पादों की कीमतों में फिर इजाफा हो सकता है।

ब्रांड अनुसार कीमत

घी- 650 से 900 रुपए प्रति किलो
पनीर- 360 से 500 रुपए प्रति किलो
मक्खन- 550 से 650 रुपए प्रति किलो
दही- 80 से 120 रुपए प्रति किलो

ओरियो ने पेश किया ओरियो एंड बीटीएस कुकीज

मुंबई। ओरियो और के-पॉप सुपरस्टार बीटीएस ने मिलकर पेश की लिमिटेड एडिशन ओरियो एंड बीटीएस कुकीज पेश करने की घोषणा की है। इस नई कुकी में कोरियन स्वीट पैनकेक फ्लेवर और ओरियो की मशहूर स्वीट क्रीम का अनोखा मिश्रण है। बीटीएस के सदस्य आरएम, जिन, सुगा, जे-होप, जिमिन, वी और जंग कुक ने इस साझेदारी में हिस्सा लिया है, जो 80 से अधिक बाजारों में ओरियो और बीटीएस का ग्लोबल मूवमेंट बनाएगी। ओरियो का कहना है कि यह गठजोड़ न सिर्फ ब्रांड की रणनीति का प्रतीक है, बल्कि यह उनके आइकॉनिक कुकी और बेहतरीन फ्लेवर को दुनियाभर में लोकप्रिय बनाने में मदद करेगा।

हीरो की नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 लांच, 86500 में मिलेंगे बेस्ट-इन-क्लास माइलेज और प्रीमियम फीचर्स

एजेंसी.नई दिल्ली

देश की सबसे भरोसेमंद मोटरसाइकल हीरो स्प्लेंडर काफी आधुनिक हो गई है और अब सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक अपने 2.0 अवतार में ग्राहकों पर जादू करने आ गई है। जी हां, हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी पॉपुलर 125 सीसी बाइक सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक के अपडेटेड 2.0 वर्जन को 86,500 रुपए की शुरुआती एक्स-शोरूम प्राइस में लांच किया है। यह बाइक ग्लॉसी ब्लैक, कैंडी ब्लेजिंग रेड, मैट एक्सिस ग्रे, मैट नेक्सस ब्लू और मैट चेस्टनट ब्राउन जैसे 5 आकर्षक कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है। यह नया मॉडल आधुनिक तकनीक, बोल्ड डिजाइन और शानदार माइलेज का एक बेहतरीन मिश्रण है। साल 1994 से भारतीय ग्राहकों के भरोसे का प्रतीक बनी स्प्लेंडर सीरीज की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 को खासतौर पर उन राइडर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो शानदार परफॉर्मेंस के साथ आधुनिक फीचर्स और कनेक्टिविटी चाहते हैं। हीरो मोटोकॉर्प के चीफ बिजनेस ऑफिसर, इंडिया बिजनेस यूनिट, आशुतोष वर्मा ने कहा कि स्प्लेंडर ने पिछले तीन दशकों से करोड़ों ग्राहकों को भरोसेमंद परफॉर्मेंस और रोजमर्रा की विश्वसनीयता दी है। नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 आधुनिक डिजाइन, एडवांस टेक्नोलॉजी और बेहतर सुविधा वाले फीचर्स के साथ इसी भरोसे को और मजबूत करेगी।

आधुनिक डिजाइन और नई पहचान

नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 को एक आकर्षक और प्रीमियम लुक दिया गया है। इसमें नए ड्यूल-टोन बॉडी ग्राफिक्स, सिग्नेचर एक्सटेक 2.0 बैजिंग, श्रीडी एम्ब्लम, स्टाइलिश ड्यूल-टेक्सचर्ड सीट और रिम टेप दिए गए हैं, जो इसे सड़क पर दमदार उपस्थिति प्रदान करते हैं।

दमदार इंजन और शानदार माइलेज

बाइक में 124.7सीसी का सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 10.7 बीएचपी की पावर और 10.6 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

एचपीसीएल और टाटा मोटर्स की साझेदारी

इस्तेमाल किए गए लुब्रिकेंट्स के लिए विकसित होगा सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल

मुंबई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और टाटा मोटर्स ने इस्तेमाल हो चुके ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स के द्वजम्मेदार संग्रह और रीसाइक्लिंग के लिए एक व्यवस्थित और विस्तार योग्य मॉडल का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सहयोग दो प्रमुख भारतीय संगठनों की पूरक शक्तियों को एक महत्वपूर्ण सस्टेनेबिलिटी चुनौती से निपटने के लिए एक साथ लाता है, साथ ही यह भारत के लगातार विकसित हो रह एक ?सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) नियमों के पालन में भी मदद करेगी। एचपीसीएल के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर-ल्युब्स, च. श्रीनिवास ने कहा कि प्रयुक्त तेल में वास्तविक चक्रीयता प्राप्त करने की शुरुआत परिष्कृत आधार तेल को तैयार स्नेहकों में पुन: एकीकृत करने से होती है। टाटा मोटर्स के साथ हमारा सहयोग प्रयुक्त तेल चक्रीयता के लिए एक स्केलेबल मॉडल बनाने और परिचालन कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं टाटा मोटर्स के हेड- पार्ट्स एंड सर्विसेज, विक्रम अग्रवाल ने कहाकि इस्तेमाल हो चुके ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट को अगर ज़िम्मेदारी से न संभाला जाए, तो इससे पर्यावरण को लंबे समय तक नुकसान पहुँच सकता है। इस चुनौती से निपटने के लिए भरोसेमंद पार्टनर, साफ़ प्रोसेस और बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता की ज़रूरत होती है।

प्लैटिनम आरएक्स ने 10 लाख उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार किया

इंदौर। किफायती ब्रांडेड-जेनेरिक दवाओं के लिए भारत के प्रमुख प्लेटफॉर्म प्लैटिनम आरएक्स ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 10 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी के अनुसार, अब तक इस प्लेटफॉर्म के जरिए देशभर के मरीजों को 128 करोड़ से अधिक की बचत हुई है। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी दीर्घकालिक बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए दवाओं पर हर महीने 2,000 से 5,000 रुपए तक का खर्च आम बात है, जो कई बार आर्थिक बोझ बन जाता है। ऐसे में कई मरीज दवाओं की खुराक बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इसी समस्या के समाधान के उद्देश्य से प्लैटिनमआरएक्स को विकसित किया गया है। प्लैटिनमआरएक्स के को-फाउंडर आशुतोष पांडे ने कहा कि मरीजों द्वारा बचाए गए 128 करोड़ केवल एक व्यावसायिक आंकड़ा नहीं हैं, बल्कि यह उन परिवारों की वास्तविक राहत है, जिन्होंने इस राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा, घर के खर्च और दैनिक जरूरतों में किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गुणवत्तापूर्ण दवाएं हर व्यक्ति की पहुंच में हों।

मलाबार ग्रुप के 'हंगर फ्री वर्ल्ड' ने अभियान के प्रभाव को किया उजागर

मुंबई। विश्व भूख दिवस के अवसर पर मलाबार ग्रुप की मानवीय पहल 'हंगर फ्री वर्ल्ड' ने अपनी स्ट्रीट मील डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम के प्रभाव को रिहैबिलिटेशन इम्पैक्ट रिपोर्ट- इम्पैक्ट स्टोरीज कैसे एक दैनिक भोजन बदल देता है जीवन की दिशा के माध्यम से प्रस्तुत किया। यह रिपोर्ट दर्शाती है कि जमीनी स्तर पर थनल द्वारा संचालित दैनिक भोजन वितरण अभियान ने सड़कों पर रहने वाले जरूरतमंद लोगों को बचाव, चिकित्सा सहायता, आश्रय, सम्मान की पुनर्स्थापना और परिवार से पुनर्मिलन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने कहाकि एक भोजन साधारण लग सकता है, लेकिन जब इसे निरंतरता और मानवीय संवेदनशीलता के साथ प्रदान किया जाता है, तो यह केवल भोजन नहीं रह जाता। हंगर फ्री वर्ल्ड'के माध्यम से हमने देखा है कि नियमित संपर्क किस तरह विश्वास कायम करता है, और वही विश्वास अक्सर पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, भावनात्मक सहयोग और सम्मान की पुनर्स्थापना की नींव बन जाता है। 'हंगर फ्री वर्ल्ड' और स्ट्रीट मील डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम के माध्यम से, मलाबार ग्रुप और थनल लगातार यह प्रदर्शित कर रहे हैं कि एक दैनिक भोजन किस प्रकार देखभाल, सुरक्षा, पुनर्वास और मानवीय जुड़ाव की दिशा में पहला कदम बन सकता है।

सैमसंग ने लांच किया 2026 विजन एआई टीवी लाइनअप

गुरुग्राम। सैमसंग इंडिया ने भारत में अपने नए 2026 विजन एआई टीवी लाइनअप को लांच कर दिया है। इस नई रेंज में माइक्रो आरजीबी, ओएलईडी, नियो क्यूएलईडी, द फ्रेम, मिनी एलईडी और यूएचडी टीवी मॉडल शामिल हैं। कंपनी ने इस लांच के साथ अपने लगभग सभी मॉडलों में एआई-पावर्ड फीचर्स का विस्तार किया है, जिससे ग्राहकों को बेहतर तस्वीर, दमदार साउंड और अधिक पर्सनलाइज्ड व्यूइंग अनुभव मिलेगा। सैमसंग पिछले 20 वर्षों से दुनिया का नंबर 1 टीवी ब्रांड बना हुआ है और कंपनी का कहना है कि नया विजन एआई लाइनअप टीवी देखने के अनुभव को और स्मार्ट और आधुनिक बनाएगा।

सैमसंग के 4के और उससे ऊपर के टीवी मॉडल्स में विज़न एआई कंपेनियन फीचर्स दिए गए हैं। कंपनी ने चुनिंदा टीवी मॉडल्स की खरीद पर ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर्स भी पेश किए हैं। ग्राहकों को 1,02,990 रुपए तक का कॉम्प्लिमेंट्री साउंडबार और 23,990 रुपए का फ्री म्यूजिक स्टूडियो मिलेगा। इसके अलावा, 20 प्रतिशत तक कैशबैक और आसान ईएमआई विकल्प भी उपलब्ध होंगे।

टाटा ने लांच की नई नेक्स्ट जेन टियागो और टियागो ईवी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स नेअपनी नई नेक्स्ट जेन टियागो और इलेक्ट्रिक संस्करण टियागो ईवी लांच कर दी है। पेट्रोल, आईसीएनजी और इलेक्ट्रिक तीनों वेरिएंट में उपलब्ध यह हैचबैक अब ग्राहकों को बेहतरीन डिजाइन, भरोसे और एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ दो अलग-अलग ड्राइविंग अनुभव देती है।

पेट्रोल वेरिएंट की शुरुआती कीमत 4.69 लाख रुपए है, जबकि इलेक्ट्रिक मॉडल 6.99 लाख रुपए से शुरू होता है। इलेक्ट्रिक टियागो ईवी ग्राहकों को किफायती कीमत, तेज चार्जिंग, रोजमर्रा की उपयोगिता और 'लाइफटाइम एचवी बैटरी वारंटी' जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। इसके अलावा, बैटरी एएमआई योजना के तहत ग्राहक केवल 4.69 लाख रुपए प्लस 2.6 रुपए प्रति किलोमीटर भुगतान करके कार का लाभ उठा सकते हैं। टीएमपीवी के एमडी और सीईओ शैलेश चंद्रा ने कहा कि लाखों भारतीय परिवारों के लिए कार खरीदने की शुरुआत हमेशा से हैचबैक से होती रही है। नेक्स्ट जेन टियागो ग्राहकों को उम्मीद से कहीं ज्यादा देकर इस सेगमेंट की कमी को पूरा करती है।

2026 में एआई बदल रहा है नौकरियों का स्वरूप- नैसकॉम रिपोर्ट

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से नौकरियों और कार्यप्रणाली का स्वरूप बदल रहा है।

इनडीड और नैसकॉम की ताजा रिपोर्ट इंडियाज एआई टैलेंट इन्फ्लेक्शन पॉइंट फ्रॉम स्किल गैप्स टू कॉम्पिटिटिव एडवांटेज में यह खुलासा हुआ है कि भारतीय कंपनियां अब पारंपरिक डिग्रियों की बजाय व्यावहारिक और एआई-रेडी कौशलों को अधिक महत्व दे रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार 86 प्रतिशत नियोक्ताओं ने माना कि एआई के कारण काम करने के तरीके और जिम्मेदारियों में बदलाव आया है, जबकि 35 प्रतिशत संस्थानों का कहना है।

एमजीयू हॉस्पिटल और एमडीसी हॉस्पिटल में भारी संख्या में जुटे रक्त दाता

ब्रह्मलीन कमलाकांत तिवारी की जन्म जयंती पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

मानसरोवर समूह के संस्थापक, जाने-माने शिक्षाविद ब्रह्मलीन कमलाकांत तिवारी की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन सीहोर स्थित एमजीयू हॉस्पिटल और हिनोतिया आलम स्थित एमडीसी हॉस्पिटल में किया गया। एमजीयू हॉस्पिटल ब्लड बैंक के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में करीब एक हजार लोगों ने ब्लड डोनेट किया।

मानसरोवर डेंटल कॉलेज प्रांगण स्थित एमडीसी हॉस्पिटल में मुख्य अतिथि हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा के कर कमलों द्वारा, मानसरोवर समूह की चांसलर श्रीमती मंजुला तिवारी और चीफ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव तिवारी की उपस्थिति में शिविर का शुभारंभ किया गया। चीफ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव तिवारी ने बताया कि रक्तदान शिविर से प्राप्त रक्त थैलेसीमिया से ग्रसित बच्चों को नि:शुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा। शिविर में करीब एक हजार लोगों के माध्यम से सुरक्षित रक्त लिया गया है। सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है, इसलिए रक्तदान के पूर्व सभी तरह की जांचों के बाद ही रक्त लिया गया, जिससे कि स्वच्छ और सुरक्षित रक्त मरीजों को उपलब्ध कराया जा सके। पिछले वर्ष भी रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था जिसके माध्यम से करीब 500 जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाई गई थी।

शिविर में मानसरोवर मेडिकल कॉलेज, एमजीयू हॉस्पिटल, एमजीयू हॉस्पिटल, मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, मानसरोवर डेंटल कॉलेज, मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, फैकल्टी ऑफ आयुर्वेदा, मानसरोवर नर्सिंग कॉलेज, मानसरोवर पब्लिक स्कूल सहित मानसरोवर समूह के विभिन्न संस्थानों की टीम ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मानसरोवर पब्लिक स्कूल में समर कैंप 2026 का उत्साहपूर्ण समापन, विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

कोलार रोड स्थित मानसरोवर पब्लिक स्कूल में आयोजित एक माह लंबे समर कैंप 2026 का समापन हुआ। कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने खेल, कला, संगीत और आधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में नई-नई गतिविधियों को सीखते हुए अपनी प्रतिभा को निखारा। समापन समारोह में छात्रों ने पूरे महीने सीखे गए कौशल और कलाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया। कैंप में बच्चों को एआई, कोडिंग और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ स्विमिंग, बास्केटबॉल, फुटबॉल, आर्ट एंड क्राफ्ट, संगीत, डांस, योग और कैलीग्राफी का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मानसरोवर समूह की कुलाधिपति मंजुला तिवारी, कर्नल एच. आर. रूहिल, विद्यालय के प्राचार्य सोजन जोसफ, डीन लॉ डॉ. ताई चौरसिया, विशिष्ट अतिथि डॉ. धनंजय वैद्य एवं रेवती वैद्य द्वारा किया गया। मानसरोवर समूह की डायरेक्टर दिशा तिवारी ने बताया कि समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें खेल, नवाचार और रचनात्मक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना था।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच एक्सप्रेस पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरणः आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंडः आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभः रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथिः पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloudfront.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरणः नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंडः सक्षमित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभः प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथिः 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य।
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t055l3. cloudfront.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026

- विवरणः नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टोरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।
- मानदंडः आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।
- इनाम/लाभः रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथिः 15-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः /www.b4s.in/sach/NKSP2
- QR Code : https://dle9eg0t055l3. cloudfront.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png

न्यूटेनिक्स नेक्स्टजेन इन्नोवेटर्स स्कॉलरशिप 2026

- विवरणः न्यूटेनिक्स नेक्स्टजेन इन्नोवेटर्स स्कॉलरशिप 2026, निर्दिष्ट विषयों एवं संस्थानों में पूर्वस्नातक छात्रों को न्यूटेनिक्स द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह वैश्विक पहल कंप्यूटर साइंस या सम्बन्धित क्षेत्रों में डिग्री प्राप्त कर रहे तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के स्नातक छात्रों को सहयोग एवं प्रेरणा प्रदान करती है।
- मानदंडः आवेदन भारतीय निवासियों के लिए जारी है, जो नवाचार, समावेशन एवं निरंतर सीखने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्हें प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में एआई की भूमिका के प्रति जिज्ञासा प्रदर्शित करना अनिवार्य है। आवेदक को निर्दिष्ट विषयों में पूर्णकालिक पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत होना एवं तृतीय या चतुर्थ वर्ष में प्रवेश करना आवश्यक है।
- इनाम/लाभः रुपए 2,500 की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथिः 31-05-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/NINS1
- QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloudfront.net/ static/images/scho-media/nutanix-nextgen-innovators-scholarship-20261773726744.png

यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम इंडिया चांसलर्स स्कॉलरशिप्स 2026-27

- विवरणः यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम इंडिया चांसलर्स स्कॉलरशिप्स 2026-27, बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा भारत अधिवासित (डोमिसाइल्ड) उन छात्रों को प्रदान की जा रही है, जिन्होंने विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु आवेदन किया है।
- मानदंडः आवेदन उन सभी भारतीय छात्रों के लिए जारी है, जिन्हें सितंबर 2026 सत्र हेतु बर्मिंघम विश्वविद्यालय के यूके कैंपस में पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए प्रवेश प्रस्ताव प्राप्त हो। आवेदकों को अपने प्रस्ताव में निर्दिष्ट शैक्षणिक शर्तों को पूर्ण करना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें विदेशी शुल्क भुगतानकर्ता के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए तथा उनमें छात्रवृत्ति द्वारा कवर न होने वाले शेष शुल्क का भुगतान करने की क्षमता होनी आवश्यक है। उन्हें संबंधित समय-सीमा तक जमा राशि और कुल शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य है तथा रहने के खर्च और अन्य संबंधित खर्चों हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होनी चाहिए।
- इनाम/लाभः शिक्षण शुल्क हेतु रुपए 10,000 की छात्रवृत्ति।
- अंतिम तिथिः 31-05-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/UCBD2

दिव्य संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा का आज महाप्रसाद वितरण के साथ समापन

भोपाल। लालघाटी क्षेत्र स्थित ओम शिव नगर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर शिव भक्त महिला मंडल, ओम शिव कॉलोनी द्वारा आयोजित दिव्य संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा का आज विशाल भंडारे के साथ समापन होगा। 25 मई से प्रारंभ हुई इस सात दिवसीय धार्मिक कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। कथा का वाचन परम पूज्य चंद्रभान जी महाराज के श्रीमुख से किया जा रहा है। महाराज श्री ने अपने प्रवचनों में भगवान शिव की महिमा, सृष्टि रचना, शिव-पार्वती विवाह, 12 ज्योतिर्लिंगों का महत्व और भक्ति-वैराग्य के साथ मानव जीवन में धर्म के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कथा के दौरान संगीतमय भजनों और शिव लीला के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। पंडाल में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण शिवमय बना रहा।

आयोजन समिति के अनुसार प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 10 बजे तक श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक शिवलिंग पूजन एवं रुद्राभिषेक भी किया गया, जिसमें महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मान्यता है कि पुरुषोत्तम मास में शिव आराधना से अक्षय पुण्य मिलता है। समापन अवसर पर आज विशेष पूजा-अर्चना, हवन, महाआरती एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। कथा स्थल श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर, ओम शिव नगर, नयापुरा, लालघाटी में अंतिम दिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। शिव भक्त महिला मंडल ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने, भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने और भंडारे में शामिल होने का आग्रह किया है। मंडल की बहनों ने बताया कि सात दिनों तक चले इस आयोजन से पूरे क्षेत्र में भक्ति, संस्कार और एकता का संदेश गया है।

डॉ. मोरपेन स्वास्थ्य केंद्र, पैथोलॉजी लैब, फार्मेसी सेवाओं एवं वेलनेस पहलों का संचालन करेगा

वीआईटी भोपाल ने कैंपस में छात्र स्वास्थ्य सेवाओं और कल्याण को सुदृढ़ करने के लिए डॉ. मोरपेन के साथ किया सहयोग

सच संवाददाता.भोपाल

वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने अग्रणी स्वास्थ्य एवं वेलनेस ब्रांड डॉ. मोरपेन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी कैंपस में स्वास्थ्य सेवाओं और छात्र कल्याण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सेवा समझौता छात्रों, फैकल्टी एवं कर्मचारियों को विश्वस्तरीय चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दीर्घकालिक सहयोग की शुरुआत को दर्शाता है। साथ ही, यह वीआईटी भोपाल की छात्र-केंद्रित सोच तथा सुरक्षित, स्वस्थ एवं सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करता है।

यह सहयोग विश्वविद्यालय द्वारा पहले से अपनाए जा रहे स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा, निवारक निगरानी तथा समग्र छात्र कल्याण के उच्च मानकों को और अधिक सशक्त बनाएगा। छात्रावास, भोजनालय एवं अन्य कैंपस सुविधाओं में इन मानकों का पालन पहले से ही एक सुव्यवस्थित प्रणाली के अंतर्गत किया जा रहा है, और डॉ. मोरपेन के साथ यह साझेदारी इस छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

इस व्यापक समझौते के अंतर्गत डॉ. मोरपेन समूह वीआईटी भोपाल के कैंपस स्थित स्वास्थ्य केंद्र का संचालन संभालेगा। इस सुविधा के अंतर्गत निम्नलिखित सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। क्लिनिकल सेवाएँ एवं आपातकालीन चिकित्सा सुविधा- योग्य चिकित्सकीय विशेषज्ञों द्वारा चौबीसों घंटे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ। कैंपस स्थित पैथोलॉजी लैब- त्वरित एवं सटीक जाँच रिपोर्ट हेतु उन्नत डायग्नोस्टिक एवं परीक्षण सुविधाएँ। कैंपस स्थित फार्मेसी स्टोर- आवश्यक दवाइयों एवं स्वास्थ्य उत्पादों की सहज उपलब्धता। दैनिक चिकित्सकीय सेवाओं के अतिरिक्त, यह सहयोग छात्रों के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर, विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों जैसी सक्रिय वेलनेस सुविधाएँ भी उपलब्ध कराएगा। यह समझौता 28 मई 2026 को वीआईटी वेल्लोर परिसर में औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर वीआईटी के संस्थापक एवं कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन तथा वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शंकर विश्वनाथन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डॉ. मोरपेन समूह का प्रतिनिधित्व मोरपेन लेबोरेट्रीज़ लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंटअमृत रवि ने किया। यह अवसर भावनात्मक दृष्टि से भी विशेष रहा, क्योंकि श्री अमृत रवि वीआईटी वेल्लोर के वर्ष 2010 बैच के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र हैं, जो संस्थान के गौरवशाली अतीत और दूरदर्शी भविष्य के बीच एक प्रेरणादायक सेतु का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर श्री अमृत रवि ने कहाकि अपने मातृ संस्थान में लौटकर इस साझेदारी पर हस्ताक्षर करना मेरे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। डॉ. मोरपेन अपनी विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाओं एवं उत्कृष्टता की विरासत को वीआईटी भोपाल तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि छात्रों को कैंपस में ही समग्र चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध हो सके। वीआईटी भोपाल के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शंकर विश्वनाथन ने कहाकि वीआईटी भोपाल में छात्र कल्याण को केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं माना जाता, बल्कि इसे एक निरंतर संस्थागत जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता है। हमारा ध्यान सदैव ऐसे कैंपस वातावरण के निर्माण पर रहा है, जो स्वच्छता मानकों, निवारक निगरानी, त्वरित स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुलभ छात्र सहायता प्रणालियों से समर्थित हो। डॉ. मोरपेन के साथ यह सहयोग इस ढाँचे को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. मोरपेन होम की सह-संस्थापक सुश्री आँचल सूरी ने कहाकि वीआईटी भोपाल के साथ सहयोग कर डॉ. मोरपेन हेल्थ सेंटर की स्थापना करना हमारे लिए गर्व का विषय है। हमारा उद्देश्य छात्रों के लिए एक आधुनिक एवं छात्र-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा तंत्र विकसित करना है, विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए जो घर से दूर रहकर अध्ययन कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि वीआईटी और डॉ. मोरपेन के बीच यह साझेदारी देशभर के विश्वविद्यालयों एवं विद्यालयों के लिए स्वास्थ्य अवसंरचना एवं छात्र कल्याण के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करेगी। यह पहल वीआईटी भोपाल की उस व्यापक दृष्टि के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ मजबूत स्वास्थ्य, वेलनेस एवं सुरक्षा अवसंरचना को भी समान महत्व दिया जाता है। साथ ही, यह सहयोग डॉ. मोरपेन की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की स्थापित विरासत का लाभ भी प्रदान करेगा।

ड्रीम करियर को पाने इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने बताया स्किलिंग, इनोवेशन, नेटवर्किंग का महत्व

कैरियरनेक्स्ट करियर डिस्कवरी इंडस्ट्री बूट कैंप का भव्य शुभारंभ

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय मेगा करियर गाइडेंस कार्यक्रम कैरियरनेक्स्ट करियर डिस्कवरी इंडस्ट्री बूट कैंप का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं युवा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को एआई, टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट, एनीमेशन, डिजाइन, मीडिया, उद्यमिता एवं अन्य आधुनिक क्षेत्रों में उपलब्ध करियर संभावनाओं से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें इंडस्ट्री नेटवर्किंग, करियर काउंसलिंग एवं विशेषज्ञों से सीधे संवाद का अवसर भी प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के प्रथम दिन विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। नेक्स्ट वेव टेक्नोलॉजीज के वाइस प्रेसिडेंट यशवंत पदकांति, सीआईआई के संजय खंडूजा, लिविंग लैब इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर हेमंत गुप्ता, ग्रांट थॉर्नटन के डॉ. विनय कुमार, आईएमवेंचर्स के सीईओ आलाप घोषेर, एमएसईईडी, मुंबई के वाइस प्रेसिडेंट जोशुआ न्यूमैन तथा रिलायंस एंटरटेनमेंट से जुड़े संदीप शेट्टी ने विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं, उभरते करियर विकल्पों और सफलता के लिए आवश्यक कौशलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। नेक्स्ट वेव टेक्नोलॉजीज के वाइस प्रेसिडेंट यशवंत पदकांति ने कहा कि आज तकनीक हर उद्योग का आधार बन चुकी है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रहकर नई तकनीकों, डिजिटल स्किल्स और व्यावहारिक अनुभवों पर भी ध्यान देना चाहिए। जो युवा लगातार सीखने और स्वयं को अपडेट रखने के लिए तैयार हैं, उनके लिए टेक्नोलॉजी क्षेत्र में असीम करियर अवसर उपलब्ध हैं। सीआईआई के संजय खंडूजा ने कहा कि इंडस्ट्री आज ऐसे युवाओं की तलाश में है जो समस्या समाधान, नवाचार और नेतृत्व क्षमता जैसी कौशलों से लैस हों। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के साथ-साथ उद्योग की आवश्यकताओं को समझने और स्वयं को उसके अनुरूप तैयार करने पर ध्यान देना चाहिए। सही मार्गदर्शन और कौशल विकास से सफलता के नए द्वार खुलते हैं। लिविंग लैब इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर हेमंत गुप्ता ने कहा कि भविष्य की नौकरियां केवल ज्ञान पर नहीं बल्कि रचनात्मक सोच, नवाचार और व्यावहारिक कौशल पर आधारित होंगी। विद्यार्थियों को अपने रुचि के क्षेत्र की पहचान कर उसमें विशेषज्ञता विकसित करनी चाहिए। सीखने की निरंतर इच्छा और सही दृष्टिकोण उन्हें करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। आईएमवेंचर्स के सीईओ आलाप घोषेर ने कहा कि एंटरटेनमेंट और इवेंट इंडस्ट्री तेजी से विकसित हो रही है और युवाओं के लिए अनेक नए अवसर लेकर आ रही है। यह क्षेत्र उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है जो सीखने, नेटवर्किंग करने और नए अनुभव प्राप्त करने के इच्छुक हैं। सही कौशल और समर्पण के साथ इस उद्योग में सफल एवं संतोषजनक करियर बनाया जा सकता है।

करिश्मा कपूर की दमदार वापसी, जी5 की नियो-नोयर क्राइम थ्रिलर ब्राउन का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज ब्राउन का ट्रेलर जारी कर दिया है। सस्पेंस, मनोवैज्ञानिक रहस्यों और अपराध की अंधेरी दुनिया से भरपूर यह नियो-नोयर क्राइम थ्रिलर 5 जून को हिंदी में स्ट्रीम होगी। सीरीज में करिश्मा कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि उनके साथ स्पूर्या शर्मा, जिशु सेनगुप्ता, सोनी राजदान और अजिंक्य देव अहम कलाकार नजर आएंगे। सीरीज के निर्देशक अभिनय देव ने किया है और इसका निर्माण ज़ी स्टूडियो ने किया है कोलकाता की रहस्यमयी गलियों और नैतिक अराजकता की पृष्ठभूमि पर आधारित च्ब्राउनज् की कहानी रीटा ब्राउन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कभी शहर की सबसे बेहतरीन पुलिस अधिकारियों में से एक थीं। लेकिन बदनामी, शराब की लत और अतीत के बोझ से जूझ रही रीटा की जिंदगी तब बदल जाती है, जब शहर में सिलसिलेवार हत्याओं का दौर शुरू होता है।

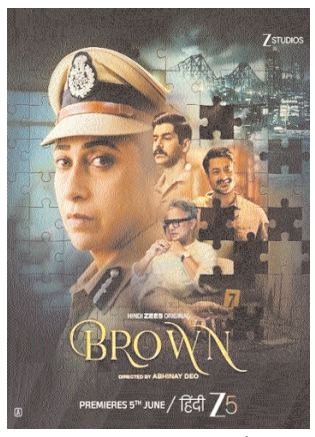

एक प्रभावशाली कारोबारी की बेटी की हत्या से शुरू हुई यह जांच रीटा को फिर से सिस्टम में लौटने के लिए मजबूर करती है। उनके साथ युवा पुलिस अधिकारी अर्जुन भी इस खतरनाक मिशन का हिस्सा बनता है। जैसे-जैसे दोनों एक रहस्यमयी सीरियल किलर के करीब पहुंचते हैं, मामला उनके अपने मानसिक और भावनात्मक संघर्षों से भी जुड़ने लगता है। सीरीज अपराध, आघात, अपराधबोध, शोक और आत्म-मुक्ति जैसे विषयों को गहराई से तलाशती है। कोलकाता की सांस्कृतिक विरासत, वर्ग विभाजन और शहर की जटिल सामाजिक संरचना को कहानी में प्रभावशाली ढंग से पिरोया गया है। जी5 हिंदी की बिजनेस हेड कावेरी दास के अनुसार ब्राउन पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग है क्योंकि यह केवल अपराधी की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने किरदारों की कमजोरियों, उनके जख्मों और भावनात्मक संघर्षों को भी केंद्र में रखती है।

पैंथर का नया रोमांटिक गीत सुनती जाओ रिलीज, दिखा कलाकार का संवेदनशील अंदाज

मुंबई। अपने दमदार रैप और भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए पहचाने जाने वाले पैंथर ने अपने नए रोमांटिक ट्रैक सुनती जाओ के साथ श्रोताओं को एक अलग और संवेदनशील अनुभव दिया है। यह

गीत प्यार, सुकून और भावनात्मक जुड़ाव की खूबसूरत कहानी बयां करता है, जिसमें किसी खास इंसान की मौजूदगी में मिलने वाली शांति और अपनापन केंद्र में है।

पैंथर द्वारा लिखे और गाए गए इस गीत में मधुर धुनों और सच्ची भावनाओं का सुंदर मेल देखने को मिलता है।

अमेजन फैशन की 'वार्डरोब रिफ्रेश सेल' शुरू फैशन प्रोडक्ट्स पर 80 फीसदी तक की छूट

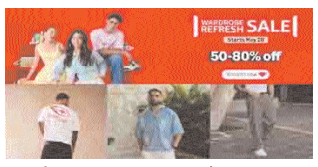

बेंगलुरु। अमेजन फैशन ने अपनी बहुप्रतीक्षित 'वार्डरोब रिफ्रेश सेल' के 18वें संस्करण की घोषणा कर दी है। यह सेल 2 जून तक चलेगी, जिसमें ग्राहकों को फैशन और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स पर 50 से 80 प्रतिशत तक की आकर्षक छूट मिलेगी।

रोहित चंदेल और मदिराक्षी मुंडले की केमिस्ट्री ने बढ़ाया 'सैराब' का एक्साइटमेंट

मुंबई। स्टार प्लस का नया शो सैराब अपने प्रीमियर से पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है। शो के प्रोमो जारी होने के बाद फैंस रोहित चंदेल और मदिराक्षी मुंडले की शानदार केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस की खूब तारीफ कर रहे हैं। शो की कहानी एक मशहूर पॉप स्टार और एक साधारण महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसने अपनी पूरी जिंदगी परिवार और बच्चों के लिए समर्पित कर दी, लेकिन अपनी खुशियों और सपनों को पीछे छोड़ दिया। लाल रंग की थीम पर आधारित यह शो प्यार, तड़प, दर्द और जुनून को दर्शाता है।

जल संकट पर सीएमओ का बड़ा एक्शन

मैदान में उतरे, 28 टैंकरों से सप्लाई शुरू

शिवपुरी। शहर में गहराते जल संकट से निपटने के लिए नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। आमजन को पानी की किल्लत से निजात दिलाने के लिए नगर पालिका सीएमओ इशांक धाकड़ खुद मैदान में उतर चुके हैं। बैठकों के दौर के साथ-साथ जमीनी स्तर पर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सीएमओ ने आज शहर के चारों जोनों का तूफानी दौरा कर पेयजल व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

28 टैंकरों से मोर्चा, बड़े टैंकरों से भरे जाएंगे संपवैल

सीएमओ इशांक धाकड़ ने बताया कि शहर के विभिन्न वार्डों में पानी की निर्बाध सप्लाई के लिए 28 टैंकर मैदान में उतार दिए गए हैं। इनमें 24,000 लीटर क्षमता वाले 6 बड़े टैंकर विशेष रूप से शामिल हैं, जो लगातार संपवैल को रीचार्ज करेंगे ताकि मुख्य सप्लाई व्यवस्था प्रभावित न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो टैंकरों की संख्या और बढ़ाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ठेकेदारों को सख्त लहजे में निर्देशित किया कि यदि कहीं मोटर खराब होती है या पाइप बढ़ाने की जरूरत है, तो तत्काल कार्रवाई की जाए; इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

दबंग के कब्जे से मुक्त कराया बोर, फल मंडी में बढ़े पाइप

नगर पालिका की इस मुहिम में उन वार्डों को प्राथमिकता दी जा रही है जहाँ बोर या पाइपलाइन की सुविधा नहीं है। एक बड़ी कार्रवाई के तहत वार्ड 29 और 30 में भूरा बाथम नाम के व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से कब्जे में लिए गए बोर को सीएमओ धाकड़ ने मौके पर पहुंचकर तत्काल मुक्त कराया, जिससे अब वहां जनता को पानी मिल सकेगा। इसके अलावा, पूरे शहर की जलापूर्ति को प्रभावित करने वाले फल मंडी स्थित मुख्य बोर में भी नए पाइप डलवाकर उसकी क्षमता बढ़ाई गई है।

मंगलवार से मिलेगी बड़ी राहत

सीएमओ ने शहरवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आगामी मंगलवार से शहर में मणिखेड़ा जल आवर्धन योजना की सप्लाई पूरी तरह सुचारू हो जाएगी। साथ ही नई मोटरें आते ही पेयजल व्यवस्था और अधिक मजबूत हो जाएगी।

सीएमओ इशांक धाकड़ की इस त्वरित कार्यप्रणाली और मुस्तैदी की शहरवासी जमकर सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर अधिकारी इसी तरह फील्ड में डटे रहे, तो शहर को भीषण गर्मी में भी जल संकट का अहसास नहीं होगा।

बालाजी बस का ब्रेक फेल चार वाहनों को मारी टक्कर

शाजापुर। सारंगपुर से शाजापुर आ रही बालाजी बस अनियंत्रित हो गई। क्योंकि बस के ब्रेक फेल हो गए थे, जिससे चालक बस से नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बस पहले बाईक सवार व दो अन्य वाहनों से टकराई। इस हादसे में मां-बेटे सहित तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना शनिवार दोपहर करीब 2 बजे की है। जब सारंगपुर से आ रही बस कृषि उपज मंडी के पास आकर अचानक अनियंत्रित हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि निर्माणाधीन पुलिया के पास अचानक बस के ब्रेक फेल होने से चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। बस पहले बाइक सवारों से टकराई और फिर अन्य वाहनों से जा भिड़ी। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में मझनिया निवासी जितेंद्र शामिल हैं, जो किसी काम से शाजापुर आ रहे थे। बस ने उन्हें पीछे से टक्कर मारी थी। अन्य घायलों में लक्ष्मण और उनकी मां सानूबाई हैं।

सच संक्षेप

मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनूपपुर जिले में पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा में श्रद्धालुओं को लेकर मंदिर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में 6 लोगों के असामयिक निधन और कुछ लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन की ओर से मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। दुर्घटना में घायलों का उपचार जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगतों की आत्मा को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की बाबा महाकाल से प्रार्थना की है।

तंबाकू सेवन न करने की ली शपथ

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देषानुसार जिले में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में 25 मई से 31 मई तक निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें की थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

इसी कड़ी अनुक्रम में जिला चिकित्सालय परिसर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ की उपस्थिति में तंबाकू का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई।

डॉ. पुनीत श्रीवास्तव ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक 500 से अधिक लोगो की काउंसलिंग की गई तथा उन्हें निकोटिन रिस्लेसमेंट थैरेपी के लिए च्यूइंगम खिलाया गया एवं 7 व्यक्तियो द्वारा तंबाकू सेवन छोड़ दिया गया एवं जिला जिला चिकित्सालय परिसर में तंबाकू का सेवन करने वालो के विरूद्व कार्यवाही करते हुए 16000 रूपये का अर्थदंड लगाया गया।

इस अवसर पर डॉ. सीजा जान, डॉ. वैभवी तिवारी, नितिन मंगलानी सहित अन्य चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉप उपस्थित रहें।

कमिश्नर ने ली घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने अनूपपुर जिले के जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा, सरई चौकी, थाना कारणपठार अनूपपुर और उमरिया जिले की सीमा पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने की सूचना मिलने पर देर रात्रि मेडिकल कॉलेज शहडोल पहुंचकर उपचाररत घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की।

कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी घायलों को बेहतर से बेहतर और उच्च स्तरीय इलाज मुहैया कराया जाए। साथ ही कमिश्नर ने घायल व्यक्तियों के परिजनों को ढांढस भी बंधाया। कमिश्नर ने इस दुखद घटना में मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

ज्ञात हो कि जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा, सरई चौकी, थाना कारणपठार अनूपपुर और उमरिया जिले की सीमा पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से हादसा हुआ। सभी ग्रामवासी पड़मनिया से पूजा-अर्चना के लिए ग्राम बिजौरा जा रहे थे। इस दुखद हादसे में 6 लोगों की मृत्यु हो गई है, वहीं 22 घायलों का मेडिकल कॉलेज शहडोल में उपचार रत है।,इस दुखद हादसे में मृतको के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख एवं संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

संघ शिक्षा वर्ग का मातृहस्त भोजन कार्यक्रम

शिवपुरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शिक्षा वर्ग (विद्यार्थी) प्रथम वर्ष के अंतर्गत शुक्रवार की शाम फतेहपुर रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में मातृहस्त भोजन कार्यक्रम अत्यंत आत्मीय एवं पारिवारिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर के 268 परिवारों की मातृशक्ति ने सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 450 शिक्षार्थियों के लिए अपने हाथों से प्रेमपूर्वक भोजन तैयार कर लाया तथा स्वयं शिक्षार्थियों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण कराया। कार्यक्रम का वातावरण भारतीय पारिवारिक संस्कारों, अपनत्व और स्नेह से ओतप्रोत दिखाई दिया। मातृशक्ति द्वारा घरों से विविध प्रकार के स्वादिष्ट पकवान, भोजन सामग्री तथा भोजन परोसने के लिए आवश्यक बर्तन भी साथ लाए गए।

30 दिवसीय समर कैंप का समापन

आष्टा। समर कैंप केवल छुट्टियां बिताने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने, नई चीजें सीखने और अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को निखारने का एक शानदार अवसर होता है। प्रत्येक विद्यार्थी को सीखने के हर अवसर का लाभ लेना चाहिए, ताकि वह अपने जीवन में सीखी हुई कलाओं का उपयोग कर स्वयं के साथ दूसरों को भी प्रेरित कर सके। यह बात सांदीपनि विद्यालय आष्टा के प्राचार्य मोहम्मद सितवत खान ने विद्यालय में आयोजित 30 दिवसीय समर कैंप के समापन अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही।

योग प्रशिक्षण शिविर

बैतूल। आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली एवं संचालनालय आयुष विभाग मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में संचालित 100 दिवसीय नि:शुल्क योग प्रशिक्षण अभियान के तहत 30 मई को बैतूल-सारणी रोड स्थित गंज क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नागरिकों को योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया तथा नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया गया। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, भारत भारती जामठी बैतूल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. हिमांशु मालवीय तथा इंटरनी गौरव ओमकार, तनु और श्रुति मानापुर ने सहभागिता की। उन्होंने लोगों को योग के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लाभों की जानकारी देते हुए विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया। महाविद्यालय के अध्यक्ष गणेश मालवीय, कोषाध्यक्ष संतोष पाल एवं प्राचार्य डॉ. विजय माने के मार्गदर्शन तथा उपप्राचार्य डॉ. राजकुमार मिश्रा द्वारा तैयार की गई रूपरेखा के अनुसार यह अभियान जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संचालित किया जा रहा है। महाविद्यालय की टीम 21 जून 2026 तक बैतूल जिले के अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर नि:शुल्क योग प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

आखिर कब होगा चीलर नदी का उद्धार

शाजापुर। नगर की जीवनदायिनी चीलर नदी को उद्धार की बाट जोहते हुए कई दशक बीत चुके है। अनेकों बार तैयार हुआ करोड़ रुपए की कार्ययोजना भी इसका उद्धार नहीं कर पाई। हर बार सिर्फ औपचारिकता भर होती है और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। विगत कुछेक वर्ष से तो नदी में औपचारिक सफाई भी नहीं हुई। इसके चलते अब पूरी नदी एक सूखे मैदान की तरह हो गई है। ऐसे में यदि इस पर अभी-भी ध्यान नहीं दिया तो इस बार वर्षाकाल में नदी में पानी नहीं ठहर पाएगा। क्योंकि लगातार गंदगी बहकर आने से नदी पूरी तरह उथली हो गई है। ऐसे में देखना होगा कि कब तक अधिकारी इसकी सुध लेते है।

पूर्व में चीलर के पानी में ऊपर से ही तलहटी दिखती थी। लोग नहाते कपड़े धोते थे। युवा नदी में तैराकी प्रतियोगिता करते थे। जगह-जगह किनारों पर लगे बरसों पुराने पेड़ से नदी में गोता लगाने के ठीये बने हुए थे, लेकिन जब से नगर विकास की बातें हुई तब से स्वरूप बदल गया। जिम्मेदारों ने नदी की ओर ध्यान नहीं दिया। इससे नदी में अतिक्रमण के साथ-साथ गंदगी भी बढ़ती चली गई। आज हालत यह है कि पूरे नगरीय क्षेत्र में नदी की चौड़ाई कई स्थानों पर अतिक्रमण के कारण कम हो गई है। वहीं लगातार गंदगी के कारण नदी में जलकुंभी इतनी ज्यादा फैल गई है कि अब नदी में पानी की जगह सिर्फ जलकुंभी ही दिखाई दे रही है। लगातार गंदगी जमने के कारण नदी उथली हो गई है। जिससे इसमें पानी के लिए भी जगह बहुत कम बची है। ऐसे में यदि इस बार भी वर्षाकाल के पहले नदी में जेसीबी और पोकलेन से गंदगी को नहीं हटाया गया तो इसमें वर्षाकाल में पानी ही संग्रहित नहीं हो पाएगा।

13 नाले कर रहे नदी को लगातार मैला

चीलर नदी को गंदा करने में सबसे बड़ा योगदान इसमें मिलने वाले 13 बड़े गंदे नाले है। इन नालों से पूरे नगर की गंदगी बहकर नदी में आती है।

पेयजल संकट से निपटने के लिए नोडल अधिकारी तैनात

शिवपुरी। शहर में निर्बाध पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ने सख्त कदम उठाए हैं। अपर कलेक्टर दिनेश चन्द्र शुक्ला को पूरी व्यवस्था का मुख्य नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही शहर के सभी 39 वार्डों के लिए अलग-अलग प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। ये अधिकारी अपने आवंटित वार्ड में जल आपूर्ति की निगरानी करेंगे और पाइपलाइन या पानी वितरण से जुड़ी किसी भी समस्या का तुरंत समाधान कराएंगे, ताकि भीषण गर्मी में नागरिकों को पेयजल की किल्लत न हो।

बूंदाबांदी ने दिलाई गर्मी से राहत

शाजापुर। सुबह से शाम तक तप रहे नगरवासियों के लिए शनिवार की सुबह राहत भरी रही। इस दिन आसमान पर छाए बादल कुछ देर के लिए ही सही लेकिन बरस पड़े, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। इस बारिश से कुछ देर तक आसमान पर बादल भी छाए रहे जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इसके बाद धूप जरूर खिली, लेकिन ठंडी हवाओं ने राहत का काम किया। मौसम विभाग की माने तो शनिवार रात को व रविवार सुबह गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की संभावना है।

इसके पहले लोगों का गर्मी से बुरा हाल हो रहा था। गुरूवार को भी तापमान कम जरूर हुआ था लेकिन उमस के चलते लोगों के पसीने छूट रहे थे। गुरूवार की रात से मौसम में परिवर्तन हुआ और देर रात आसमान पर तेज हवाओं के साथ बादल छाने लगे। इस दौरान बारिश की उम्मीद थी, लेकिन आसमान बादलों से ढंका रहा। सुबह करीब 7.30 बजे हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई जो कुछ देर बाद तेज बारिश में बदल गई। कुछ देर बाद बारिश तो थम गई लेकिन आसमान पर बादलों का डेरा डला रहा और धूप न निकलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस दिन अधिकतम तापमान भी 42 डिग्री से घटकर 40.6 डिग्री दर्ज किया गया। हालांकि इस दिन तीखी धूप भी खिली हुई थी, लेकिन हवाओं की उपस्थिति के चलते गर्मी का असर कम रहा।

देर रात व सुबह से फिर बारिश के आसार मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं। जिसके चलते बारिश की संभावना बनी रहेगी।

शिवपुरी में आवारा कुत्ते का तांडव

शिवपुरी। शहर की लक्ष्मीबाई कॉलोनी और ठंडी सड़क इलाके में शनिवार को एक काले रंग के आवारा कुत्ते ने जमकर उत्पात मचाया। कुत्ते के हिंसक हमले में एक ढाई वर्षीय मासूम बच्ची सहित तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम पंचायत स्तर पर होगी जनसुनवाई: एसडीएम

शिवपुरी/पिछोर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट शिवपुरी अर्पित वर्मा के निर्देशन पर आगामी मानसून सत्र 2026 को दृष्टिगत वर्षा एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन से निपटने को लेकर पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व श्रीमती ममता शाक्य द्वारा पिछोर तथा खनियाधाना के सभी विभाग प्रमुखों की एक समीक्षा बैठक नवीन तहसील कार्यालय पिछोर में ली गई।

वैठक के दौरान एसडीएम ममता शाक्य ने समीक्षा बैठक मे उपस्थित सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश देते हुए कहा कि बर्तमान मे मानसून सत्र प्रारंभ हो रहा है इस स्थिति को देखते हुए प्रत्येक विभाग अपनी-अपनी जिम्मेदारी के अनुसार कार्य करें उन्होंने वर्षा एवं बाढ़ जैसी स्थिति न बने इसके लिए पिछोर एवं खनियांधाना के सीएमओ तथा सीईओ को निर्देश दिए कि जहां-जहां भी नदी नाले एवं तालाब बने हैं उन नालों आदि की साफ सफाई कराई जाये,जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न ना हो एवं रास्तों में पानी आकर रास्ता को अवरुद्ध न करें, मानसून के दौरान पहुंच विहीन क्षेत्रों मे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत पर्याप्त खाद्यान्न की अग्रिम उपलब्धता सुनिश्चित्र हो! उन्होंने जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए कि नगर एवं क्षेत्र के सभी तालाबों के बेस्ट बियर की साफ सफाई कराई जाए एवं जहां भी यदि कोई अतिक्रमण किए हुए हैं तो उसके तत्काल हटाया जाए! उन्होंने कहा कि नगर एवं शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गुजरने वाली नदी नाले तालाब की साफ सफाई जल भराव बाली संवेदनशील स्थानों की पहचान एवं आपदा राहत दल गठित किया जाये, जिससे कोई समस्या उत्पन्न नहीं होगी, उन्होंने दोनों बीआरसीसी से कहा कि जहां भी जो विद्यालय जिर्ण शीर्ण स्थिति में है वहां बच्चों को दूसरी जगह शिफ्ट करें, तथा विद्यालय के आसपास जो भी व्यक्ति अतिक्रमण किए हुए हैं उनकी जानकारी मुझे दें ताकि मैं अतिक्रमण से मुक्त करा सकूं।

अब पंचायतों में ही होगा जनसमस्याओं का समाधान

शिवपुरी। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने जिला वासियों को बड़ी राहत देते हुए निर्देश दिए हैं कि अब प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। अक्सर ग्रामीण छोटी शिकायतों के लिए दूर जिला मुख्यालय आते थे, जिससे उनका समय और पैसा बर्बाद होता था। अब पटवारी, सचिव और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का दल सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक पंचायत भवन में मौजूद रहकर राजस्व और राशन संबंधी शिकायतों का निराकरण करेगा। इसकी सूचना गांव-गांव में मुनादी करवाकर दी जाएगी।

पत्रकारों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

बैतूल। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर मीडिया सेंटर पत्रकार भवन, कोठीबाजार में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शतायु आरएक्स मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, बडोरा के सहयोग से आयोजित इस शिविर में एक दर्जन से अधिक पत्रकारों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में हेमंत कोसे, डॉ. मनोहर पांसे, सिस्टर सुश्री वर्षा अहाके, सुश्री पूजा कुमरे एवं अस्पताल के अन्य स्टाफ सदस्यों ने पत्रकारों का बीपी एवं शुगर परीक्षण किया। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श देते हुए बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी सावधानियां और सुझाव भी दिए गए। यह आयोजन बैतूल जिला प्रेस क्लब, बैतूल मीडिया सेंटर सोसायटी, इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईएफडब्ल्यूजे) बैतूल इकाई तथा जिला प्रकाशक-संपादक मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। शिविर के दौरान वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर पवार ने कहा कि पत्रकार दिन-रात समाज और जनहित के मुद्दों पर कार्य करते हैं, ऐसे में अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई। पत्रकार जंकी शाह ने कहा कि स्वस्थ पत्रकार ही समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन कर सकता है। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन के लिए शतायु आरएक्स मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की टीम का आभार व्यक्त करते हुए इसे पत्रकार हित में सराहनीय पहल बताया।

अधिकारियों ने जनता से की योग से जुड़ने की अपील

बैतूल। मध्य प्रदेश आयुष विभाग द्वारा संचालित घर-घर योग -हर व्यक्ति निरोग अभियान के तहत जिले में आमजन को योग से जोड़ने के लिए नियमित ऑनलाइन योग प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 8 बजे यूट्यूब के माध्यम से योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे लोग घर बैठे योगाभ्यास और विभिन्न योग क्रियाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योग को जन-जन तक पहुंचाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। जिले के नागरिक अपने निकटस्थ आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी, बैतूल तथा क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष) में पहुंचकर भी इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। डॉ. चौकीकर ने जिले की जनता से अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि लोग घर से ही यूट्यूब के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर नियमित योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और निरोग जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।

बेटे की मौत का गम नहीं सह सकी माँ

10 मिनट बाद थम गईं थी उसकी भी सांसें, कैंसर पीड़ित पति पर टूटा दुखों का पहाड़

हरपालपुर। छतरपुर जिले के हरपालपुर क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे नगर को गमगीन कर दिया है। स्टेशन मोहल्ला निवासी 6 वर्षीय हसनैन अहमद की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत का सदमा उसकी मां रजिया खातून बर्दाश्त नहीं कर सकीं और कुछ ही मिनटों बाद उन्होंने भी दम तोड़ दिया।जानकारी के अनुसार, 25 मई सोमवार दोपहर हसनैन अहमद को उल्टी-दस्त, तेज बुखार और पेट दर्द की शिकायत होने पर हरपालपुर अस्पताल ले जाया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे पहले नौगांव और बाद में जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया गया। परिजनों के मुताबिक, जिला अस्पताल पहुंचने से कुछ दूरी पहले ही मासूम की सांसें थम गईं। बेटे को खोने का गम सहन न कर पाने के कारण मां रजिया खातून की भी तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया।बताया जा रहा है कि रजिया खातून परिवार की मुख्य आधार थीं। उनके पति सुब्हान चौथे स्टेज कैंसर से जूझ रहे हैं और घर की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर थी। मां-बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद अस्पताल परिसर और नगर में शोक का माहौल व्याप्त हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही नगर के समाजसेवी, पत्रकार और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग पीड़ित परिवार के घर पहुंचे तथा अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान लाइफ हेल्थ केयर के संचालक डॉ. योगेंद्र कुमार दीक्षित ने 5100 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। वहीं अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष तौसीब खान ने 1000 रुपये की सहायता राशि भेंट की। संजय तिवारी एवं अशोक सिंह ने परिवार की बेटी आलिया मंसूरी, जो कक्षा 8वीं की छात्रा है, की पढ़ाई का जिम्मा उठाते हुए उसकी पुस्तकें, ड्रेस एवं अन्य शैक्षणिक खर्च वहन करने की घोषणा की। इस अवसर पर पत्रकार मनीष पांडेय, अफजल अली और अमन राइन सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

प्रशासन द्वारा बच्चे की मौत के कारणों की जांच कराए जाने की बात कही गई है।

भोपाल में 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते हुए भाजपा नेता व कार्यकर्ता

बिट्टन मार्केट दुर्गा मंदिर धाम में भाजपा नेता हुए शामिल

सच संवाददाता ।। भोपाल

राजधानी में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन बिट्टन मार्केट स्थित दुर्गा मंदिर धाम में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' प्रसारण को सुना और उसके संदेशों को आत्मसात किया। इस अवसर वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा,भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति सहित अन्य भाजपाई मौजूद थे। सभी ने देश के विकास, जनभागीदारी और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की गई। भाजपा नेताओं ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम है, जिससे समाज में सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण की भावना को बल मिलता है। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस आयोजन के दौरान विट्ठल मार्केट क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मंदिर परिसर में भक्ति और संगठनात्मक एकता का संगम भी नजर आया। स्थानीय कार्यकर्ताओं के अनुसार, इस प्रकार के कार्यक्रमों से संगठनात्मक मजबूती बढ़ती है और लोगों को राष्ट्रीय मुद्दों से जोड़ने में मदद मिलती है।

किसानों के साथ विधायक रामेश्वर शर्मा ने सुनी 'मन की बात'

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण आज हुजूर विधानसभा क्षेत्र में किया गया। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने बूथ क्रमांक 313, अमरावद कला में किसान बंधुओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेशों को उपस्थित जनसमूह ने ध्यानपूर्वक सुना। इस मौके पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि 'मन की बात' देशवासियों को एक सूत्र में जोड़ने और जनजागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भीषण गर्मी को देखते हुए देशवासियों से विशेष सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस तीव्र प्रभाव के दौरान सभी नागरिक स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों का भी ध्यान रखें। कार्यक्रम में किसानों और स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या उपस्थित रही।

ट्विशा केस: कई फीट ऊपर फंदे तक कैसे पहुंची ट्विशा, सीबीआई ने पलंग-पेटी का खोला राज

सच संवाददाता ।। भोपाल

ट्विशा शर्मा डेथ केस में सीबीआई अब सीन री क्रिएशन की तैयारियों में लगी है। मौत के मामलों की जांच में इसका अहम रोल होता है। इसके लिए सीबीआई ने ट्विशा के पुतले तैयार कराए हैं। वह कई फीट ऊपर बने फंदे तक कैसे पहुंची, यह सवाल भी जांच अधिकारियों को मथ रहा है।

सीबीआई की पूछताछ में सामने आया कि ट्विशा ने फंदे तक पहुंचने के लिए पलंग-पेटी का सहारा लिया था। इसमें भी एक पेंच आ गया है। बताया जा रहा है कि इस पलंग-पेटी को अभी तक जब्त ही नहीं किया गया है। इसे भोपाल पुलिस की लापरवाही का एक और उदाहरण बताया जा रहा है।

पूर्ज जज गिरिबाला सिंह अपनी बहू ट्विशा शर्मा की मौत

के इस मामले में सीबीआई की रिमांड पर हैं। दो दिन पूर्व उन्हें उस कोर्ट में पेश किया गया जहां वह कभी जिला जज थीं। कोर्ट रूम में गिरिबाला सिंह आरोपी के रूप में करीब 90 मिनट तक खड़ी रहीं।

गिरफ्तारी के बाद गिरिबाला सिंह को भोपाल कोर्ट में शुक्रवार को पेश किया गया था। कोर्ट ने उनकी 5 दिन की रिमांड सीबीआई को दी। रिमांड अवधि 2 जून को खत्म हो जाएगी। इसलिए सीबीआई सक्रिय है। जांच अधिकारी इसके बाद से ही गिरिबाला सिंह से पूछताछ में लगे हुए हैं। सीबीआई की कस्टडी में बेटा समर्थ सिंह भी है। सीबीआई के अधिकारी मां बेटे को आमने सामने बैठाकर पूछताछ कर चुके हैं। केस में सीबीआई के सामने नई नई चुनौतियां आ रहीं हैं। जांच में यह बात सामने आई कि ट्विशा शर्मा आखिरकार कई फीट ऊपर फंदे तक कैसे पहुंची थी! जवाब मिला कि उसने पलंग-पेटी पर चढ़कर सुसाइड की थी। इस मामले में भोपाल पुलिस की एक और कमी उजागर हुई। सूत्रों के मुताबिक ट्विशा जिस पलंग-पेटी पर चढ़कर ऊपर फंदे तक पहुंची, उसे जब्त नहीं किया गया है।

सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह बयान में पलंग पेटी की बात कह चुके

सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह अपने बयान में पलंग पेटी की बात कह चुके हैं। दोनों ने कहा कि पूर्व जज ने पलंग पेटी पर चढ़कर ही ट्विशा को उतारा था। बता दें कि भोपाल पुलिस पर इस केस में पहले से ही कई सवाल उठ रहे हैं। सीबीआई के हाथ में जांच आने के बाद से ही लोगों का भरोसा बढ़ा है।

आईपीएस मनीष भारद्वाज को पीएचक्यू में मिली नई जिम्मेदारी

भोपाल। राज्य सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी मनीष भारद्वाज का तबादला करते हुए उन्हें पुलिस मुख्यालय, भोपाल में नई जिम्मेदारी सौंपी है। जारी प्रशासनिक आदेश के अनुसार उन्हें सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है। मनीष भारद्वाज, भा.पु.से. (2023), वर्तमान में नगरीय भोपाल के एमपी नगर क्षेत्र में सहायक पुलिस उपायुक्त (एसीपी) के रूप में पदस्थ थे। अब उन्हें पदोन्नति एवं नई पदस्थापना के तहत पुलिस मुख्यालय, भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के रूप में कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासनिक स्तर पर किए गए इस बदलाव को पुलिस व्यवस्था में कार्यक्षमता बढ़ाने और विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के बेहतर संचालन के दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। नई पदस्थापना के बाद उनसे पुलिस मुख्यालय में महत्वपूर्ण प्रभार संभालने की अपेक्षा की जा रही है।

कल से बढ़ेगा मालभाड़ा, बढ़ेगी महंगाई गड़बड़ाएगा मध्यमवर्गीय का बजट

सच संवाददाता ।। भोपाल

कल से जून माह की शुरुआत के साथ ही आम जनता पर महंगाई का दबाव और बढ़ने की आशंका है। मालभाड़े में संभावित बढ़ोतरी से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में और इजाफा हो सकता है, जिसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवारों के मासिक बजट पर पड़ेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते कुछ महीनों में घरेलू बजट पहले ही प्रभावित हो चुका है। फरवरी-मार्च में जो मिडिल क्लास परिवार लगभग 9,258 रुपये में मासिक खर्च संभाल रहा था, उसे मई के अंत तक वही खर्च बढ़कर लगभग 12,318 रुपये तक पहुंच गया है। यानी करीब 90 दिनों में लगभग 3 हजार रुपये का अतिरिक्त बोझ परिवारों पर पड़ चुका है, जो करीब 33 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है।

महंगाई का सबसे अधिक असर घरेलू रसोई पर देखा जा रहा है। सब्जियों पर होने वाला मासिक खर्च जहां पहले लगभग 2,500 रुपए था, अब बढ़कर 3,500 से 3,800 रुपए तक पहुंच गया है। दाल, तेल और मसालों के दामों में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। दूध के दामों में लगभग 2 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि के चलते दो लीटर दैनिक खपत वाले परिवारों पर महीने में लगभग 120 रुपए का अतिरिक्त भार पड़ रहा है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में भी करीब 60 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है।

बिजली और ईंधन ने बढ़ाई मुश्किलें

भीषण गर्मी के बीच बिजली की खपत बढ़ने से बिल भी डेढ़ से दोगुना तक पहुंच गए हैं, जिससे घरेलू और व्यावसायिक दोनों वर्ग प्रभावित हो रहे हैं। छोटे दुकानदारों का कहना है कि बढ़ती बिजली और संचालन लागत के कारण उन्हें भी वस्तुओं के दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं। 15 मई के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 9 से 10 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश में पेट्रोल के दाम लगभग 116 रुपए प्रति लीटर और डीजल 100 रुपए के आसपास पहुंच गया है। इसका असर परिवहन लागत पर पड़ा है, जिससे सब्जियां, दूध, दवाइयां और अन्य जरूरी वस्तुएं भी महंगी हो रही हैं।

आम लोगों की चिंता बढ़ी

भोपाल की रहने वाली प्रीती कुरूपा ने बताया कि पहले महीने के अंत में कुछ बचत हो जाती थी, लेकिन अब पूरा बजट गड़बड़ा गया है। वहीं छात्रों और छोटे कामकाजी लोगों का कहना है कि बढ़ती महंगाई ने रोजमर्रा की जिंदगी को और कठिन बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मालभाड़े में बढ़ोतरी होती है तो आने वाले दिनों में महंगाई का दबाव और तेज हो सकता है, जिससे मध्यमवर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त असर पड़ेगा।

कई स्थानों पर पेड़ गिरने, बिजली लाइनों पर असर पड़ा

अब आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने बदला मौसम का समीकरण

सच संवाददाता ।। भोपाल

मई के आखिरी दिनों में जहां राजधानी भोपाल सहित मध्य प्रदेश के कई शहर 45 से 47 डिग्री सेल्सियस तापमान झेल रहे थे, वहीं अब आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने मौसम का पूरा समीकरण बदल दिया है। राजधानी भोपाल में रविवार सुबह से बूंदाबांदी हो रही है, जबकि प्रदेश के लगभग सभी जिलों में मौसम विभाग ने बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। वहीं, भोपाल में आधी रात के बाद 58 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। रात 12.30 बजे के बाद शहर के कई इलाकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली। आंधी के कारण शहर के ज्यादातर हिस्सों में बिजली गुल हो गई।

नौतपा के दौरान मध्यप्रदेश के मौसम ने अचानक करवट ले ली है। शनिवार देर रात (30 मई) प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदल गया, जहां 20 से अधिक जिलों में बारिश दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में भी हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि देर रात 3 बजे तक तेज हवाओं का दौर जारी रहा। इस दौरान कई इलाकों में

बिजली आपूर्ति भी बाधित रही। मौसम में आए इस बदलाव के चलते लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन आंधी-बारिश ने जनजीवन को प्रभावित भी किया। कई स्थानों पर पेड़ गिरने और बिजली लाइनों पर असर पड़ने की सूचना मिली है।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार 31 मई को भी प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी चलने की संभावना है। हवाओं की गति 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। इसके साथ ही प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। पिछले 48 घंटों से प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां तेज बनी हुई हैं। मध्य प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में बारिश दर्ज की गई।

आमतौर पर नौतपा के दौरान मध्य प्रदेश के कई जिले भीषण गर्मी और हीटवेव की चपेट में रहते हैं, लेकिन इस बार मौसम का ट्रेंड अलग रहा। 25 मई से शुरू हुए नौतपा में शुरुआती दिनों में गर्मी जरूर रही, लेकिन मई के अंतिम सप्ताह में पश्चिमी विक्षोभ और अन्य मौसम प्रणालियों की सक्रियता ने पूरे प्रदेश का मौसम बदल दिया। यही वजह है कि रविवार को कहीं भी लू का अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 3 जून तक प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक का सिलसिला जारी रहेगा। कई जिलों में ओलावृष्टि और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। विशेषज्ञों ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और खुले स्थानों से बचने की सलाह दी है।

शायर पद्मश्री बशीर बद्र के निधन के बाद सियासत गर्माई

अंसारुल हसन सिद्दीकी ।। भोपाल

देश के प्रख्यात शायर पद्मश्री डॉक्टर बशीर बद्र के निधन के बाद अब कैमरा और कलम श्रेय लेने की होड़ में खड़े हुए हैं, दूसरी तरफ उनके जनाजे में कही 20 लोग तो कहीं पर 50 लोगों की गिनती का शुमार है, मगर यहां यह बात बताना बहुत आवश्यक है कि वह विधिवत भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए थे और उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के सामने भाजपा ग्रहण की थी, उनके साथ प्रचार प्रसार किया था और जब भाजपा सरकार आई तो उन्हें पद्मश्री भी मिला, साथ ही मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी का अध्यक्ष पद भी मिला। जिन लोगों को पद्मश्री मिलता है उनके निधन के बाद उनके सम्मान में जिला प्रशासन गार्ड ऑफ ऑनर, 21 तोपों की सलामी देता है। यदि जिला प्रशासन भूल गया तो जिस विभाग में वह अध्यक्ष रहे, उस विभाग के प्रशासनिक अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी थी कि वह जिला प्रशासन को अवगत कराया जाता। साथ ही सत्ता पक्ष के लोगों का भी मानवीय कर्तव्य होता कि वह उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते मगर यह नहीं हो सका जोलोग कैमरे पर उनकी शायरी के कसीदे पढ़ रहे हैं, कभी उन्होंने डॉ बशीर बद्र को बदनाम करने के लिए एक सीरीज चलाई थी जिसको देश और दुनिया ने टीवी चैनल पर जी भर कर देखा था। डॉ बशीर बद्र के निधन पर कई तरह की काना फूसी सामने आ रही है, जिसमें सबसे अधिक लापरवाही कहा जाए या फिर दुर्भाग्य। भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार पद्मश्री मिलने वाले को उसके निधन के पास उसके सम्मान में गॉड ऑफ ऑनर देना भारत का सबसे बड़ा सम्मान होता है। यह परंपरा रही है सारंगी वादक उस्ताद अब्दुल लतीफ खान से लेकर न जाने कितने पदम श्री कलाकारों को यह सम्मान मिला है मगर जिस शायर ने बाकायदा भाजपा ग्रहण की हो और कांग्रेस के खिलाफ बुगल बजाया हो, उसको यह सम्मान न मिलना अत्यंत अफसोस नाक है। उनके निधन के बाद देशभर के चैनल यूट्यूब पर अखबार उनकी

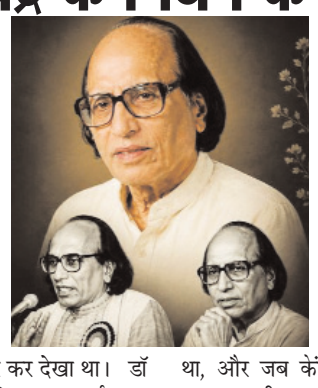

मखमली चुरिंदा शायरी को याद कर रहे हैं जो एक समान है जो घूम रही है। परंतु इतिहास के पन्ने यह बताते हैं कि जिस समय डॉक्टर बशीर बद्र ने भाजपा से हाथ मिलाया था, और जब केंद्र में एनडीए की सरकार बनी अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री बने, उस समय डॉ बशीर बद्र ने एक शेर कहा था जो अब कहीं खो गया है मगर वह याद है, उन्होंने कांग्रेस को चिढ़ाते हुए कहा था कि,,,,, एक महल के टूटने पर क्यों हो मुझे भला अफसोस, सैकड़ो बेघर परिंदों के ठिकाने हो गए। जिसको बार-बार अटल बिहारी वाजपेई ने पढ़वाया। बशीर बद्र अपनी जिंदगी में भी कहते थे कि उस दिन प्रोग्राम में अटल जी जल्दी चले गए तो वह अपनी जगह पर मुझे बिठा कर गए, उसके बाद उनको पदम श्री और मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी का अध्यक्ष बनाया गया। उनके नाम पर देश में न जाने कितने लोगों ने पीएचडी की, भोपाल में कई अंजुमन और उर्दू अदब की संस्थाएं हैं अगर वे सारे लोग आ जाते तो हजारों में संख्या पहुंचती। केंद्र और राज्य सरकार के नुमाइंदों की भी जिम्मेदारी थी, इसलिए नहीं कि वह एक मुस्लिम शायर था बल्कि वह एक भाजपाई मुस्लिम शायर था और उसकी अंतरराष्ट्रीय पहचान थी। एक और मामला स्वर्ण अक्षरों में डॉ बशीर बद्र का तारीख में दर्ज है वह यह है कि जिस समय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई बस लेकर पाकिस्तान गए थे उसमें डॉक्टर बशीर बद्र भी थे उन्होंने पाकिस्तान को ललकारते हुए कहा था, सोच लो यह आखरी मौका है मोहब्बत, इस दर से हटोगे तो कोई दर ना मिलेगा। राजधानी में एक मुस्लिम भाजपाई जमात है जिसमें भाजपाइयों के साथ धार्मिक लोग भी साथ हैं अगर वह भी अपना नैतिकता और इस्लामी जिम्मेदारी निभाते तो पदम श्री बशीर बद्र के जनाजे की तादाद कुछ और होती। जो लोग कैमरे पर कसीदे गढ रहे हैं और लिख रहे हैं इतिहास के पन्ने पलटने पर मालूम होगा की , मैं एक शायर बदनाम हूं शीर्षक को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाए और उसमें बड़े-बड़े शायरों को इस्तेमाल किया गया और पद्मश्री डॉ बशीर बद्र को बदनाम किया गया।

एमपीडीटीई काउंसलिंग 2026 का शेड्यूल जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश तकनीकी शिक्षा संचालनालय (एमपीडीटीई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए इंजीनियरिंग, बीसीए, बीबीए और फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके साथ ही विभिन्न तकनीकी संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

बीसीए, बीबीए और फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया 29 मई 2026 से शुरू हो चुकी है। वहीं, बीई और बीटेक पाठ्यक्रमों के लिए कैंडिडेट 2 जून से 24 जून 2026 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ज्वॉइस फिलिंग, मेरिट सूची जारी करना, सीट आवंटन और संस्थानों में रिपोर्टिंग सहित सभी अन्य चरण निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार संपन्न किए जाएंगे। तकनीकी शिक्षा विभाग ने कैंडिडेट्स को समय पर ऑनलाइन पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन और ज्वॉइस फिलिंग पूरी करने की सलाह दी है। प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन आयोजित होगी।

आज रात आसमान में दुर्लभ खगोलीय संयोग, दिखेगा 'ब्लू माइक्रोमून'

सच संवाददाता ।। भोपाल

खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए आज यानी31 मई 2026 की रात बेहद खास होने जा रही है। आज रात आसमान में एक दुर्लभ खगोलीय संयोग देखने को मिलेगा, जब 'ब्लू मून' और 'माइक्रोमून' एक साथ नजर आएंगे। यह इस वर्ष का सबसे छोटा पूर्णिमा का चंद्रमा भी होगा। विज्ञान प्रसारक और नेशनल अवॉर्ड प्राप्त विशेषज्ञ सारिका घारू के अनुसार, 'ब्लू मून' शब्द से भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि चंद्रमा नीले रंग का नहीं दिखाई देता। जब किसी एक ही अंग्रेजी महीने में दो पूर्णिमा पड़ती हैं, तो दूसरी पूर्णिमा को 'ब्लू मून' कहा जाता है। इस महीने 1 मई को पहली पूर्णिमा हुई थी, जबकि 31 मई को दूसरी पूर्णिमा पड़ रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, आज चंद्रमा पृथ्वी से अपनी सबसे अधिक दूरी (एपोजी) पर रहेगा, जो लगभग 4 लाख 6 हजार किलोमीटर होगी। इस स्थिति के कारण चंद्रमा सामान्य पूर्णिमा की

तुलना में लगभग 5 से 7 प्रतिशत छोटा और करीब 10 प्रतिशत कम चमकीला दिखाई देगा। इस स्थिति को 'माइक्रोमून' कहा जाता है। खास बात यह है कि 'मंथली ब्लू मून' और 'माइक्रोमून' का एक साथ होना बेहद दुर्लभ खगोलीय घटना मानी जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह अधिकमास की ज्येष्ठ पूर्णिमा है, और चंद्रमा वृश्चिक राशि में स्थित रहेगा, इसलिए इसे 'स्कार्पियो ब्लू मून' भी कहा जा रहा है।

एंटारेस तारे के पास दिखेगा चंद्रमा

आज रात एक और आकर्षक दृश्य देखने को मिलेगा, जब चंद्रमा वृश्चिक राशि के सबसे चमकीले लाल तारे 'एंटारेस' के बेहद करीब नजर आएगा। यह खगोलीय दृश्य पूरी रात बिना टेलिस्कोप या बाइनाकुलर के भी आसानी से देखा जा सकेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार, अगला 'ब्लू मून' 20 मई 2027 (सीजनल ब्लू मून), 31 दिसंबर 2028 (पूर्ण चंद्रग्रहण के साथ मंथली ब्लू मून) और 24 अगस्त 2029 (सीजनल ब्लू मून) को देखने को मिलेगा। खगोल प्रेमियों के लिए यह रात किसी उत्सव से कम नहीं होगी, जब आसमान में प्रकृति का यह दुर्लभ और मनमोहक दृश्य दिखाई देगा।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506